ISSN 2349-6614

जुलाई 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

झुलसी पांखें टूटी सांसें बिखरे सपने

जयपुर में रियल एस्टेट एक्सीलेंस अवार्ड समारोह का भव्य आयोजन

आरके प्रॉपर्टी को बेस्ट क्लाइंट सेटिस्फेक्शन अवार्ड देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री वसुधंरा राजे सिंधिया

प्रत्यूष संवाददाता

जयपुर। राजधानी जयपुर में हाल ही में आयोजित रियल एस्टेट एक्सीलेंस अवार्ड 2025 समारोह में राजस्थान के रियल एस्टेट क्षेत्र के दिग्गजों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस गरिमामय समारोह में राज्यभर से चुने गए 40 प्रतिष्ठित रियल एस्टेट उद्यमियों को उनके नवाचार, ईमानदारी और ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।

इस आयोजन में उदयपुर ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। आरके प्रॉपर्टी, उदयपुर के प्रमुख उद्यमी श्री शास्त्री कृष्ण कौशिक एवं श्री रवि शर्मा को 'बेस्ट क्लाइंट सेटिस्फैक्शन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें ग्राहकों के प्रति उनकी सेवा भावना, पारदर्शिता और समय पर गुणवत्तापूर्ण डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किया गया। गत वर्षों में आरके प्रॉपर्टी ने उदयपुर शहर एवं इसके आसपास के क्षेत्रों—गिर्वा, बड़गांव, प्रतापनगर आदि में प्लॉटिंग, हाउसिंग प्रोजेक्ट्स और रेसिडेंशियल कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। कंपनी ने न केवल बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराया, बल्कि ग्राहकों के विश्वास को प्राथमिकता देते हुए रियल एस्टेट क्षेत्र में एक नई कार्य संस्कृति को स्थापित किया है। कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी उदयपुर के बढ़ते रियल एस्टेट सेक्टर की सराहना की। इस अवसर पर कई अन्य शहरों के रियल एस्टेट प्रतिनिधियों ने आरके प्रॉपर्टी के कार्य मापदंडों को एक प्रेरणा के रूप में स्वीकार किया। इस गौरवशाली सम्मान के बाद उदयपुर के व्यापारिक और रियल एस्टेट क्षेत्र में उत्साह की लहर है। स्थानीय नागरिकों और व्यवसायियों ने इस उपलब्धि को मेवाड़ के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

आओ घर बनाएं... साथ आपका सहयोग हमारा...
R.K. Property & Consultant
R.K.PROPERTY CONSULTANT

श्रीनाथ विहार
बड़ी (चिकलवास) उदयपुर

श्रीजी विहार
अमरगढ़ रिसोर्ट के आगे, झाड़ोल रोड, उदयपुर

श्री पद्मावती विहार
सेक्टर-14, एक्सटेंशन, 150 फीट अहमदाबाद रिंग रोड, सवीना (नेला)

सोनार विहार
राजपुरा-धरियावद रोड, पतंग होटल के पास, सलूम्बर

RK माउंट व्यू
अम्बेरी 100 फीट रोड, पुरोहितों के तालाब के पास

UDA, SCO, RIICO, AGRICULTURE PLOTS

RKSKYRISE काया-देबारी सिक्स लेन हाईवे, धोल की पाटी, उदयपुर
एस–3ए, स्टार टॉवर, आकृति होटल के पास, समता विहार, तीतरड़ी, बांसवाड़ा रोड, उदयपुर Mo.: 60010-80010

RIICO COMMERCIAL/ INDUSTRIAL & RESIDENTIAL PLOTS AVAILABEL IN KALADVAS, UDAIPUR

जुलाई 2025 वर्ष: 23 अंक: 03

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

आस्था

महादेव को प्रसन्न करने की कठिन साधना कांवड़ यात्रा
पेज 10

सामयिक

डबल इनकम, नो किड्स
पेज 18

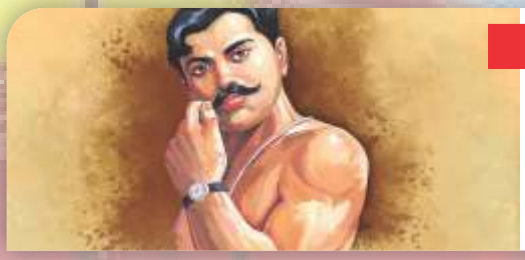

शहादत

आखिरी सांस तक 'आजाद' ही रहे
पेज 22

कॅरियर

एआई में नौकरियां बेशुमार
पेज 38

रेसिपी

प्रोटीन भरा पनीर
पेज 40

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

TECHNO NJR INSTITUTE OF TECHNOLOGY

B.Tech in Computer Science and Engineering
B.Tech in Artificial Intelligence and Data Science (AI-DS)

2024 BATCH - Pride of Techno NJR

amazon

Jash Hinger

At a Package of
40 Lacs
per Annum
Batch 2020-24

Techno NJR Girls secure Highest Package of
18.96 LPA at American Express

Arzoo Bapna
Batch 2020-24

Sonakshi Negi
Batch 2020-24

Somya Champawat
Batch 2020-24

बिट्स पिलानी के पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित एवं संचालित एक कॉलेज
- टेक्नो ऐनजेआर

टेक्नो एनजेआर के 60 छात्रों का एक महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए बिट्स पिलानी में चयन

जुलाई 2025 में टेक्नो एनजेआर के 60 छात्र बिट्स पिलानी जाएंगे, जहां उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और उद्यमिता (स्टार्टअप) में उन्नत प्रशिक्षण मिलेगा। इस कार्यक्रम के दौरान छात्र नवीनतम तकनीकों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करेंगे, जिससे उनकी उद्योग के लिए तैयारी मजबूत होगी और करियर के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

TECHNO NJR INSTITUTE OF TECHNOLOGY
Founder & Director
Mr. R.S. Vyas

BITS Pilani
Pilani | Dubai | Goa | Hyderabad
Vice Chancellor
Prof. V Ramgopal Rao

For Admission
Phone: 8696932730 / 8696932729 / 8696932800 | Mail: admission@technonjr.org | Apply on : www.technonjr.org | Address: Plot-5PL-T, Bhamashah (RIICO) Industrial Area, Kaladwas, Udaipur 313003 (Rajasthan), India | City Center: NJR House 1, Opp. Millenium Plaza, Sardarpura, Udaipur

लौट आया कोरोना का नया वैरिएंट

कोरोना महामारी की बुरी यादें अभी मनोमस्तिक से उतरी भी नहीं कि कोविड-19 वायरस के भारत में फिर से सक्रिय होने और पीड़ितों की संख्या बढ़ने की सुर्खियां फिर से परेशान कर रही हैं। आंकड़ों से आतंकित हुए बिना यह समय सतर्कता बरतने का है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक सर्वाधिक मामले केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली में दर्ज किए गए हैं। ये सभी राज्य संसाधन और स्वास्थ्य ढांचे की दृष्टि से अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। अत: इनकी यह जिम्मेदारी है कि वे संक्रमण को रोकने में प्रभावी पहल करें। कोराना की वापसी को लेकर विशेषज्ञों ने पूर्व में ही आगाह किया था कि यह नए-नए स्वरूप (वैरियंट) में लौट सकता है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया था कि अब उसकी मारकता वैसी नहीं होगी, जो देश ने 2019-21 में भुगती थी। अब तक जेएन.1 वैरियंट संक्रमण के जो मामले सामने आए हैं उनमें से अधिकांश हल्के लक्षण वाले ही हैं।

मगर दुनिया के कुछ देशों से जितनी बड़ी संख्या में इसके प्रकार की सूचनाएं मिल रही हैं, उनको हमें सबक के तौर पर लेना चाहिए। तब तो और, जब थाईलैंड में लगभग ढाई लाख लोगों के इसकी गिरफ्त में आने की सूचना है और वहां भी यही वैरिएंट सक्रिय पाया गया है। इस संदर्भ में एक पहलू यह भी है कि हमारे यहां से बड़ी संख्या में लोग बैंकॉक सैर-सपाटे के लिए जाते हैं। कोई भी महामारी पूरी तरह से कभी खत्म नहीं होती, उसके विषाणु रह-रहकर कमोबेश मात्रा में मानव जाति को नुकसान पहुंचाते रहे हैं। अमेरिका पर अगर गौर करें, तो वहां चिकित्सा सेवाएं अन्य देशों के मुकाबले उम्दा हैं, लेकिन वहां अब भी लोग कोविड-19 की वजह से जान गंवा रहे हैं। वहां कोविड वास्तव में भयानक स्वरूप में स्थिर हो गया है। वहां शायद इसलिए भी परेशानी हो रही है, क्योंकि वहां के लोगों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है। अमेरिका में आज भी चीन को दोषी ठहराने वाले बहुत हैं और वायरस का नया संस्करण भी चीन से ही आया बताया जाता है। अफसोस की बात है कि महामारी के मोर्चे पर दुनिया के दो महाशक्ति देशों में तालमेल का अभी भी अभाव है, सूचनाएं छिपाई जा रही हैं, नतीजतन आज भी लोग मारे जा रहे हैं। दोनों देशों के बीच पिछले दिनों टेरिफ को लेकर जैसी सहमति बनी है, वैसी ही कोरोना के विषय में क्यों नहीं बन पाई ? दोनों देशों को कम से कम बीमारी-महामारी के मोर्चे पर तो स्वार्थी नहीं होना चाहिए। अभी संक्रमण का शुरुआती चरण है, इसलिए देशों के परस्पर सहयोग से इसे नियंत्रत किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)की मुख्य वैज्ञानिक रह चुकीं सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि हांलांकि यह 2020-21 के भयानक दौर की वापसी का संकेत नहीं है। मगर इसका यह कतई मतलब नहीं कि इसको हल्के में लें। राज्य सरकारों को आपात स्थिति से निपटने की अपनी तैयारियों का जायजा लेना चाहिए। देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह समय काफी अहम है। बाहरी ताकतें जब हमें हर मुमकिन नुकसान पहुंचाने में जुटी हैं, तब हमारी कोई भी चूक या लापरवाही देश के आर्थिक हितों के बहुत प्रतिकूल होगी। बहुत जरूरी है कि इस संक्रमण को घातक न बनने दिया जाए। सारा दारोमदार स्थानीय प्रशासन की चौकसी और लागों के सहयोग पर निर्भर है।

ज़िंदगी भर का ज़ख्म दे गया विमान हादसा

एअर इंडिया का लंदन जा रहा एक विमान 12 जून को दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे। एक व्यक्ति चमत्कारिक रूप से बच गया। हादसे में मरने वालों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी थे। इसके अलावा उस मेडिकल कॉलेज परिसर में भी छात्रों समेत लोगों की मौत हुई, जहां यह विमान गिरा। हादसे में मरने वालों की संख्या 275 से अधिक है।

अहमदाबाद / प्रत्यूष ब्यूरो

एयर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान हॉस्टल की इमारत से टकराते ही आग का गोला बन गया। कुछ ही सेकंड के अंदर पूरा इलाका काले धुएं के आगोश में समा गया। चारों तरफ विमान का मलबा फैल गया। विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास डॉक्टरों के हॉस्टल से जा टकराया। इसके बाद तेज विस्फोट के साथ पूरा विमान आग के गोले में तब्दील हो गया। इसके बाद आग चारों तरफ फैल गई।

ऐसा भयावह मंजर देखकर आसपास के लोगों को कुछ देर तक कुछ समझ में नहीं आया। बाद में एहसास हुआ कि उनके पास ही विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। हादसे के कुछ देर बाद ही पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और बचाव कार्य शुरू किया। अहमदाबाद विमान हादसे पर जितना भी दुख जताया जाए, कम होगा। विमान में उड़ान भरने के कुछ ही पल बाद पता नहीं क्या खराबी आ गई कि विमान नीचे आकर भवन से टकरा गया और उसमें धमाके के साथ आग लग गई। विमान में 52 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और 1 कनाडाई यात्री भी थे। वह जिस पांच मंजिला भवन से टकराया, वहां भी लोग थे। यह एक ऐसी त्रासदी है, जिसे कभी भुलाया न जा सकेगा। दुर्घटना के कारणों का पता दुर्घटनास्थल पर मिले ब्लैक बॉक्स की पड़ताल के बाद ही चलेगा।

बेटी से मिलने जा रहे थे रूपाणी

दुर्घटनाग्रस्त विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी थे। वे अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। उनके शव की पहचान डीएनए टेस्ट से हुई। विजय रुपाणी का जन्म 2 अगस्त 1956 को म्यांमार में हुआ था। वह सात भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। 1960 में म्यांमार में राजनीतिक उथल-पुथल के चलते उनका परिवार राजकोट आकर बस गया था। सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी से विजय रुपाणी ने बीए और एलएलबी की पढ़ाई की। उनका एक बेटा इंजीनियर है और एक बेटी है, जिसकी शादी हो चुकी है। उनके दूसरे बेटे की कार दुर्घटना में मौत हो चुकी है। रुपाणी पढ़ाई के दौरान ही भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी से जुड़ गए थे। 1971 में उनका नाता संघ से हुआ। 1976 के आपातकाल के दौरान 11 माह जेल में रहे। 1996 से 1997 के बीच राजकोट के मेयर रहे।

विमान को फिट मानने के बाद ही उड़ान को मंजूरी मिलती है, तो फिर क्या हुआ? इस

त्रासदी ने अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। अचानक कोई खराबी आ गई या पायलट से कोई चूक हुई ? क्या कोई और भी वजह हो सकती है ?

हॉस्टल बुरी तरह से क्षतिग्रत

हवाई अड्डे की परिधि के ठीक बाहर स्थित डॉक्टरों के लिए बने फ्लैट बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए थे। यह एक भयावह मंजर था। लंबी दूरी की यात्रा को देखते हुए विमान में सवा लाख लीटर से ज्यादा ईंधन भरा गया था। इसी के चलते विमान जमीन पर टकराते ही आग के गोले में तब्दील हो गया।

एक यात्री ही जिंदा बच सका

विमान में सवार भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश ने मौत को मात दे दी। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद जब मैंने खुद को संभाला तो अपने को लाशों और विमान के मलबे के बीच पाया। वह पल रूह कंपा देना वाला था। वे परिवार से मिलने के लिए भारत आए हुए थे। इस विमान से वे भाई अजय के साथ वापस

लंदन जा रहे थे। दोनों भाइयों के सीट नम्बर अलग-अलग थे। उनके पत्नी व बच्चे लंदन में ही हैं। रमेश का बोर्डिंग पास भी उन्ही की तरह उनकी जेब में सुरक्षित था। उनके सीने, आंख और पैर में चोटे आई हैं।

भूमि चौहान : 10 मिनट की देरी ने बचाई जान

भरूच की भूमि चौहान ट्रैफिक के कारण 10 मिनट देर से एयरपोर्ट पर पहुंची। वे बताती हैं, 'मैं दो साल बाद छुट्टियां मनाने भारत आई थी और पति के पास लंदन लौट रही थी। मैंने ट्रेफिक जाम में फंसने का कारण बताते हुए विमान में प्रवेश की खूब गुहार की, पर नहीं मानी गई। फ्लाइट में न बैठ पाने का दुख हुआ। लेकिन एयरपोर्ट से निकली ही थी कि बड़ा धमाका सुनाई दिया और विमान गिरने की जानकारी मिली। मेरे पूरे शरीर में झुरझुरी दौड़ गई। पैर कंपकंपाने लगे। कुछ देर सुन्न पड़ गई। मां दुर्गा और गणपति बप्पा ने मुझे बचा लिया। लेकिन यह घटना वाकई बेहद डरावनी थी।

Mahendra Singhvi
Director

with Best Compliments

GSTIN : 08AFBPS9355Q1ZH

KANAK
CORPORATION

General Merchant & Commission Agent

337, 338, 3rd Floor, Samridhi Complex,
Opp. Main Gate Krishi Upaj Mandi, Udaipur (Raj.)
Ph. : 0294 2482911 to 16 Mo.: 93528 55555
Email: vpsinghvi@gmail.com

प्रत्यूष

किशनगढ़-श्रीगंगानगर में नकली खाद-बीज का बड़ा नेटवर्क

खाद्य सुरक्षा को पलीता, किसानों को धोखा

कृषिमंत्री किरोड़ी की कार्रवाई से क्या शेष मंत्रियों के भी खुलेंगे आंख-कान?

किसानों के हित में बड़े-बड़े दावे करने वाली राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री ने ही इन दावों की पोल तब खोल दी, जब उन्होंने अजमेर, उदयपुर और श्रीगंगानगर जिलें में किसानों के साथ खुले आम धोखाधड़ी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया। अजमेर के किशनगढ़ और उदयपुर मे में नकली खाद और श्रीगंगानगर के औद्योगिक क्षेत्रों में नकली बीज तैयार करने वाली कम्पनियों को सूचीबद्ध कर उन्हें जांच के दायरे में लिया। सरकार के अन्य मंत्रियों को भी अपने जिम्मे के कामों को इसी तरह की नेक नीयती और साहस का परिचय देकर भ्रष्टाचार की परत उधेड़ने की पहल करनी चाहिए। इन मामलों में ग्यारह कृषि अधिकारी निलम्बित किए गए हैं।

अमित शर्मा

राजस्थान के अजमेर संभाग के किशनगढ़ में प्रदेश के कृषिमंत्री किरोड़ीलाल मीणा की छापामार कार्रवाई में एक दर्जन से अधिक अवैध फैक्टरियों में लाखों टन नकली उर्वरक और कच्चा माल पकड़ा गया। फैक्टरियों सहित इनमें बड़ी संख्या में ट्रेलर, टैम्पो, जेसीबी, ट्रक एवं करोड़ों रूपए लागत की मशीनों को भी सीज किया गया। इस इलाके में करीब तीन दर्जन नकली कृषि उत्पाद बनाने वाली फैक्टरियां सूची बद्ध की गई हैं।

छापे की कार्रवाई के दौरान कृषि मंत्री के साथ कृषि विभाग अजमेर और जयपुर के आला अफसर व पुलिस जाब्ता भी था। इन फैक्टरियों में निर्मित नकली उर्वरक डीएपी, यूरिया, जिंक सल्फेट, जिप्सम और पोटाश आदि को राजस्थान समेत हरियाणा, पंजाब, बिहार समेत उत्तरी भारत में सप्लाई किया जाता था। छापे के दौरान कुछ फैक्ट्री मालिक भाग छूटे और जो पकड़ में आए वे गिडगिड़ाते रहे। कृषि मंत्री 29 मई को रलावता गांव के एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। यहीं उन्हें पड़ोस में नकली उर्वरकों के गैर कानूनी धंधे की भनक लगी और कार्यक्रम के बाद वे सीधे उदयपुर कलां गांव पहुंचे जहां अवैध फैक्टरियों के भारी-भरकम नेटवर्क को देख दंग रह गए। दंग रहने वाली बात तो यह भी है कि समर्थ प्रशासनिक अमले और कृषि विभाग की चप्पे-चप्पे पर नजर के बावजूद किसानों को बर्बाद करने वाला यह गठजोड़ उदयपुर कलां-टिकावाड़ा में कैसे पनपता, फलता और फूलता रहा। पिछली और मौजूदा सरकारों के संज्ञान में आने से यह गिरोह बचा कैसे रहा? कौन हैं जो बचाते रहे? यहां रोजाना मिट्टी और मार्बल स्लरी लदे ट्रक, ट्रेलर, डम्परों की आवाजाही होती रही और किसी ने भी इस बात को नहीं जांचा-परखा कि आखिर ये आ कहां से रहे हैं और इनका कहां क्या उपयोग हो रहा है। इस मामले में उर्वरक निर्मात्री देश की नामी कम्पनी इफको भी संदेह के घेरे में है। उदयपुर के उमरड़ा और गुडली-खेमली औद्योगिक क्षेत्र में भी कृषि मंत्री ने 19 जून को खाद बनाने वाली कम्पनियों पर दल-बल सहित छापामार कार्रवाई की और आधा दर्जन से अधिक फैक्टरियों से सैम्पल लिए।

नकली बीजों की सप्लाई

कृषि मंत्री ने नकली उर्वरक फैक्टरियों को पकड़ने के पांच दिन बाद ही 3 जून को श्री गंगानगर के रिको और अग्रसेन नगर औद्योगिक क्षेत्र में बीज कम्पनियों के गोदामों पर भी छापामार कार्रवाई की। जहां जयपुर से आई अधिकारियों की टीम ने भारी मात्रा में नकली और मिलावटी बीज जब्त कर कई गोदाम सीज कर दिए। फसल की गुणवत्ता पर प्रभाव डालने वाले इन बीजों के उत्पादन में निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन किया जाकर धड़ल्ले से उनकी बिक्री से काली कमाई की जा रही थी। सीजन पार हुए बीजों को रसायन से रंग कर बिक्री के लिए भेजने की तैयारी हो रही थी। नकली बीजों के कट्टों से गोदाम भरे पड़े थे। श्रीगंगानगर जिले के कृषि अधिकारियों को दर किनार रख जयपुर से बुलाई गई कृषि टीम ने करीब 22 फैक्टरियों को जांच के दायरे में लिया। नकली उर्वरक बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापे के करीब 15 दिन बाद 11 कृषि अफसरों को निलंबित कर दिया गया। जिन अफसरों पर कार्रवाई की गई है, उनमें सहायक निदेशक लोकेंद्र सिंह जयपुर, कृषि अधिकारी सुनील बरर्डिया जयपुर, उप निदेशक कृषि बंशीधर जाट जयपुर, सहायक निदेशक सचिव ज्वाला प्रताप सिंह जयपुर, स. निदेशक कृषि गोविंद सिंह जयपुर, स. निदेशक कृषि मुकेश चौधरी जयपुर, कृषि अधिकारी (योजना) राजवीर ओला जयपुर, सौरभ गर्ग तत्कालीन कृषि अधिकारी अजमेर, मुकेश माली तत्कालीन कृषि अधिकारी अजमेर, कैलाशचंद्र शर्मा तत्कालीन कृषि अधिकारी अजमेर व कृषि अधिकारी प्रेम सिंह अजमेर हैं।

सब्सिडी खाद बिक्री में खेल

किशनगढ़ में नकली खाद फैक्टरियों की सीज कार्रवाई के बीच ही खाद बिक्री में काली कमाई का एक और खेल सामने आया है। क्रय-विक्रय सहकारी समितियों व इफको के बिक्री केन्द्रों पर किसानों को नैनो (तरल) खाद जबरन खरीदना पड़ रहा है। इन केन्द्रों से खाद उसी शर्त पर मिलता है जब किसान 1350 रूपए के डीएपी बैग व 600 रूपए के यूरिया बैग के साथ 225 रूपये का नैनो यूरिया (तरल) लेंगे। तरल खाद का अधिकृत बिल भी नहीं दिया जाता। सरकार की मंशा है कि किसानों को नैनो खाद के लिए प्रोत्साहित किया जाए। फसल के उत्पादन में उसके गुण व फायदे को बताया जाय। लेकिन क्रय-विक्रय सहकारी समितियां और खाद-बीज बिक्री केन्द्र गरीब किसानों पर जबर्दस्ती कर रहे हैं।

कृषि पर्याप्त आय का स्त्रोत नहीं

भारत में लगभग 85 फीसद छोटे और सीमांत किसान हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर से कम भूमि है। इन किसानों के पास पूंजी, तकनीक और बाजार की सीमित पहुंच है। वर्ष 2022-23 में भारतीय किसान की औसत मासिक आय केवल 10,218 रूपए थी, जिसमें कृषि उपज से प्राप्त आय का हिस्सा मात्र 37 फीसद था। इससे कृषि आय का स्त्रोत नहीं बन पाई है। स्थिति बदले भी तो कैसे? नियत ही सही नहीं है। वे अब भी नकली खाद-बीज, अनियमित और महंगी बिजली, सिचाई की अपर्याप्त सुविधा, जलवायु परिवर्तन और बची-खुजी उपज पर डाका मारने वाले बिचौलियों के शिकार जो हैं। माना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर विकसित खेती पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन जब तक किसानों की बर्बादी के कारणों को समझ कर उन्हें दूर नहीं किया जाएगा तब तक कोई ठोस उपलब्धि हासिल नहीं होने वाली। नकली बीज और उर्वरक का यह काला धंधा न केवल किसानों की बेहतर उपज की आस पर पानी फेरने वाला है, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी खतरे में डाल रहा है। हर साल भारत की करोड़ों बीघा उर्वर भूमि बंजर में तब्दील हो रही है। सरकार को इस दिशा में फौरन कदम उठाना चाहिए। जो भी फैक्ट्री संचालक इस विषाक्त धंधे में लिप्त हैं, उन्हे तो कड़ा दण्ड मिलना ही चाहिए लेकिन संबंधित शासनिक विभाग और अफसरों को भी इसका जवाबदेह बनाया जाकर उनके विरूद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

विक्रेताओं का विरोध

राजस्थान कृषि आदान विक्रेता संघ ने कृषि मंत्री की कार्रवाई के प्रति विरोध जताया है और खाद-बीज की बिक्री न करने की धमकी दी है। राजस्थान एग्रीकल्चर इनपुट डीलर्स एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष पुरूषोत्तम खंडेलवाल ने कहा कि खाद-बीज निर्माताओं के परिसर में घुसकर उन्हें आतंकित करना उचित नहीं है। नियमानुसार जांच से हम कभी पीछे नहीं हटे।

महादेव को प्रसन्न करने की कठिन साधना कांवड़ यात्रा

श्रावण मास देवाधिदेव शिव को अत्यंत प्रिय है। इस माह की शुरुआत में लोक के सभी देवी-देवता सृष्टि संचालन का समस्त कार्यभार भगवान भोलेनाथ को सौंपकर पाताल लोक में विश्राम करते हैं। इस दौरान भोले बाबा देवी पार्वती के साथ पृथ्वी लोक का विचरण कर लोगों का दुःख निवारण करते हैं। श्रावण कृष्ण प्रतिपदा (11 जुलाई) से आरंभ इस माह में भगवान शिव का विशेष शृंगार और अर्चना-आराधना होगी। कांवड़िए मीलों पैदल चलकर गंगाजल लेकर अपने गांव, शहर, कस्बे के शिवालय में शिवरात्रि को जलाभिषेक कर सुख-शांति व विश्व कल्याण की कामना करेंगे।

पंकज कुमार शर्मा

कांवड़ यात्रा महादेव को प्रसन्न करने की सबसे कठिन साधना है। भगवान के भक्त कांवड़िये बांस के डंडों पर दोनों और लगी हुई टोकरियों के साथ गंगा तट पर पहुंचते है और इनमें घट रखकर अपने-अपने गंतव्य स्थानों पर पैदल जाते हैं। कांवड़ों की सजावट देखते ही बनती है। उत्तराखंड के गोमुख, गंगोत्री और हरिद्वार से अपनी कांवड़ में गंगा जल भरकर कांवड़िए संयमपूर्वक मीलों लंबी पैदल यात्रा सावन मास की कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा को शुरु करते हैं, जो चौदह दिन बाद शिवरात्रि को पूर्ण होती है। शिवरात्रि के दिन कांवड़िये अपने-अपने गांवों, कस्बों और शहरों में स्थित शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का गंगा जल से जलाभिषेक करते हैं। अमृत तुल्य गंगा जल भोले के भक्त कांवड़ियों के लिए सबसे अमूल्य, पवित्र और अनोखी धरोहर होता है।

कांवड़ यात्रा का महत्व

धर्म ग्रंथों के अनुसार कांवड़ यात्रा की शुरुआत सबसे पहले त्रेतायुग में भगवान शिव के अनन्य भक्त दशानन रावण और भगवान परशुराम ने की थी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुंद्र मंथन से जो विष निकला था, उससे सृष्टि को बचाने के लिए भगवान शिव ने वह विष पी लिया था और उसे अपने कंठ में धारण किया। तब भगवान शिव उत्तराखंड में हिमालय की शरण में आए और उन्होंने पौड़ी गढ़वाल की पर्वत श्रृंखलाओं में झरने के नीचे बैठकर अपने विष के प्रकोप को शांत किया। उससे पहले भगवान शिव ने हरिद्वार में चंडी पर्वत के नीचे बह रही गंगा नदी में स्नान किया तो गंगा का जल विष के प्रभाव से नीला पड़ गया और यहां पर गंगा नील धारा के रूप में प्रवाहित होने लगी।

धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव द्वारा पीये गए विष की नकारात्मक ऊर्जा को शांत करने के लिए रावण ने कठोर साधना की थी और रावण ने अपनी कांवड़ में पवित्र गंगाजल भरकर उससे भगवान शिव का अभिषेक किया था, ताकि विष के प्रकोप को शांत किया जा सके। दूसरी धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान परशुराम ने कांवड़ यात्रा निकाली और वे गढ़मुक्तेश्वर में स्थित गढ़ गंगा से पैदल कांवड़ में गंगा जल भरकर यूपी के मेरठ मंडल के बागपत के पास बने पुरा महादेव ले गए और वहां उन्होंने शिवलिंग का अभिषेक किया।

करोड़ों की तादाद में कांवड़िये दूर-दराज से गंगा तट हरिद्वार आकर गंगाजल से भरी कांवड़ अपने कंधे पर लेकर भोलेनाथ के जयकारों के साथ पदयात्रा करते हुए वापस लौटते हैं। कांवड़ यात्रा धार्मिक भावना के साथ सामाजिक सरोकारों से जुड़ी है। कांवड़ के माध्यम से गंगाजल की यह अनूठी यात्रा दरअसल सृष्टि के संहारक भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए एक विशेष आराधना है, ताकि भगवान भोलेनाथ की कृपा से सृष्टि सुरक्षित रहे। कांवड़ यात्रा हमें जल संचय का भी संदेश देती है, क्योंकि जल ही जीवन है। ग्रामीण परिवेश से जुड़े लोग इस कांवड़ यात्रा में सबसे ज्यादा भाग लेते हैं, क्योंकि गंगा को जीवनदायिनी नदी कहा गया है। जहां वह जल प्रदान कर मनुष्य को जीवन देती है, वहीं वह खेत-खलिहानों को सिंचित कर फसलों को नया जीवन देकर किसानों की आर्थिकी का सबसे बड़ा माध्यम बनती है।

डॉ. अजय सिंह चुण्डावत
M.B.B.S., M.D.
एनेस्थिसियोलोजिस्ट

डॉ. (श्रीमती) कौशल चुण्डावत
M.B.B.S., DGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
गायनिक, सोनोलोजिस्ट

संजीवनी हॉस्पीटल

50 बेड का मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पीटल आधुनिक मोड्यूलर ऑपरेशन थियेटर एवं सभी आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रसूति कक्ष

साधारण, हाई रिस्क डिलीवरी, गर्भाशय का ऑपरेशन, सिजेरियन डिलीवरी, निसंतानता का निवारण, गर्भवती एवं समस्त प्रकार की स्त्री रोगों की नियमित जांच व इलाज

पाठों की मगरी, सेवाश्रम चौराहा, उदयपुर (राजस्थान)

मोबाइल नं :- 9829934770

अपोईन्मेन्ट एवं पूछताछ के लिए सम्पर्क करें हेल्पलाइन :- 9829934770

Email:sanjivanihospitaludaipur@gmail.com
admin@sanjivanihospitaludaipur.org
Website : www.sanjivanihospitaludaipur.org

होनी का इशारा भी है हमारे सपने

सारिका साहनी

आज के भाग दौड़ के जीवन में मनुष्य दिन रात काम करते हुए अपने दिमाग को भी लगातार सैकड़ों ख्यालों में व्यस्त रखता है। इसी के चलते वह तरह-तरह की बातें दिमाग में रखता है, जिसके परिणाम स्वरूप वह स्वप्न देखता है। परंतु स्वप्न का संबंध सिर्फ मनोविज्ञान से नहीं है। ये वे संकेत हैं जो आने वाली घटनाओं की झलक भी हमें दे देते हैं। स्वप्न में क्या देखा यह प्रश्न कुण्डली से जान सकते हैं। आरूढ़, छत्र और चतुर्थ भाव की राशि के आधार पर स्वप्न का स्वरूप तय किया जाता है। इन तीनों में से जो राशि बली होती है निर्धारण उसी के अनुरूप होता है। यदि मेष राशि हो तो स्वप्न में मंदिर दिखाई देते हैं, वृषभ हो तो देवता, मिथुन हो तो ब्राह्मण और संत, कर्क हो तो जल, घास और पौधे, सिंह हो तो पहाड़, पहाड़ी व्यक्ति या भैंस, कन्या हो तो स्त्री का संग, तुला हो तो स्वर्ण, व्यापारी या शासन वर्ग, वृश्चिक हो तो घोड़े, पान और जहर, धनु हो तो फल, फूल, पेड़ों की छाल आदि, मकर हो तो पुरूष एवं स्त्री, कुंभ हो तो दर्पण, मीन हो तो स्वर्ण और अथाह जल स्रोत दिखाई देता है। जगने के बाद यदि स्वप्न के विषय में कुछ याद न आए तो ऐसा स्वप्न फल देने में सक्षम नहीं होता। इसी प्रकार लंबे स्वप्न और मध्य रात्रि से पहले देखे गए स्वप्न भी फलित नहीं होते हैं। इसी प्रकार सुबह-सुबह देखा गया स्वप्न जल्द ही परिणाम देता है। स्वप्न के बाद यदि पुनः नींद आ जाए तो भी उस स्वप्न का प्रभाव कम हो जाता है। खराब स्वप्न देखने के बाद उसके प्रभाव को कम करने के लिए पूजा, दानादि का विधान है। स्वप्न आने के विभिन्न कारणों का उल्लेख किया गया है, जैसे - त्रिदोष (वात, पित्त, कफ), महादशाएं एवं अंतर्दशाएं, चिंता, अभिचार, पूर्वजन्म के संबंध। वात दोष के कारण पहाड़, पेड़ पर चढ़ने और आकाश भ्रमण के सपने, सूर्य के समान लाल फूल और अग्नि स्वप्न में दिखाई देती है। कफ दोष के कारण, चंद्रमा, तारे, सफेद पुष्प, नदी और कमल स्वप्न में दिखाई देते हैं। त्रिदोषों के कारण आने वाले स्वप्नों के फल साधारण होते हैं। ग्रहों की दशा-अंतर्दशा में आने वाले स्वप्न ग्रह विशेष के कारकत्व से संबंधित होते हैं। किसी विषय विशेष की चिंता के कारण आया स्वप्न विचारों के अनुरूप ही होता है। ग्रह की दशा एवं चिंता के कारण आए हुए स्वप्नों के फल प्रभावी नहीं होते हैं। अभिचार के कारण आए स्वप्न में विकृत आकृति के जानवर द्वारा जख्मी होना दिखाई देता है। ऐसे स्वप्न आने वाले संकट का संकेत देते हैं। इस प्रकार स्वप्न कब फलीभूत होगा, इस विषय में भी शास्त्रों में वर्णन मिलता है। एक रात्रि में चार, यम माने गए हैं। यदि रात्रि के प्रथम यम में स्वप्न आए तो स्वप्न का फल एक वर्ष के भीतर प्राप्त होता है। तीसरे यम का स्वप्न तीन महीने के भीतर फल देता है, चौथे यम का स्वप्न एक माह के भीतर फल देता है। उषा काल का स्वप्न बहुत जल्द परिणाम देता है। रामायण में भरत ने एक स्वप्न देखा जिसका वर्णन उन्होंने इस प्रकार किया, 'मैंने देखा कि मेरे पिता पहाड़ की ऊंचाई से गिर रहे हैं। उनके कपड़े गंदे हैं और बाल खुले हुए हैं। महासागर सूख गए हैं। चन्द्रमा धरती पर गिर गए हैं, जलती अग्नि अचानक शांत हो गई। मेरे पिता लोहे के सिंहासन पर बैठे हैं, उन्होंने लाल वस्त्र धारण किए हैं। काली महिला मेरे पिता को दक्षिण दिशा में खींच कर ले जा रही है। मेरा गला सूख रहा है और मेरे मन को शांति नहीं है, क्या वह मेरे पिता और भाइयों पर आने वाले संकट का संकेत है। 'इस अशुभ स्वप्न ने राजा दशरथ श्रीराम, लक्ष्मण के जीवन को प्रभावित किया।' स्वप्न की पाश्चात्य परिभाषा तो अत्यंत सीमित है। उनके अनुसार स्वप्न का मुख्य उद्देश्य मन में दमित वासनाओं और इच्छाओं की पूर्ति करना है परंतु सत्य यह है कि स्वप्न अंतर्जगत की वह झलक दे जाते हैं जिसका विश्लेषण ही संभव नहीं है। सुखद तथ्य यह है कि पाश्चात्य जगत भी अब स्वप्न की ताकत को मानने लगा है। कुछ विशेषज्ञोंने यह प्रतिपादित किया है कि रोग लक्षण प्रकट होने से पूर्व ही स्वप्नों के माध्यम से अपने आगमन की सूचना दे देते हैं।

स्वप्न के सात वर्ग

1. यदि स्वप्न में ऐसा व्यक्ति या वस्तु दिखाई दे जो हमने जीवन में देखी हो।
2. जो हमने जीवन में सुना हो।
3. स्वाद, स्पर्श या महक के रूप में, जिसे महसूस किया हो।
4. जिसकी इच्छा हमने जीवन में की हो।
5. कोई ऐसी वस्तु या व्यक्ति जिसकी हमने सिर्फ कल्पना की हो।
6. वह जो उक्त पांच वर्गों में सम्मिलित नहीं हो अर्थात जो सिर्फ अपनी कल्पना हो।
7. ऐसे स्वप्न जो स्नायु तंत्र के त्रिदोष के कारण आते हैं। स्वप्न के फलित होने के संबंध में निम्न श्लोक महत्वपूर्ण हैं-

विस्मृतो दीर्घह्रस्वोतिपूर्वरात्र चिरात् फलम्।
करोति तुच्छञ्च गोसर्गे तदहः फलम्।

With Best Compliments

नीलकण्ठ

फर्टिलिटी एण्ड वुमन केयर सेन्टर

डॉ. आशिष सूद

सलाहकार इंटेंसिविस्ट और एनेस्थेटिस्ट

टॉल फ्री नं. : 1800 30020 190
वर्तमान / पूर्व रोगी : +91-97846.00614
अपोईन्टमेन्ट : 0294-6530105, 2442595

Neelkanthfertility@gmail.com
www.Neelkanthivfcentre.com

10-11, स्वामी नगर, डॉक्टर्स लेन, RSEB ऑफिस के पास,
सेलिब्रेशन मॉल के पीछे, भुवाणा, उदयपुर (राज.)

http://www.facebook.com/NeelkanthfertilityHosital
https://www.youtube.com/UCOin3codfuZjYyPWTVAob8w

सामाजिक-आर्थिक न्याय के लिए

जन संघर्ष की आधारशिला थेः मुंशी प्रेमचंद

वेदव्यास

कथाकार प्रेमचंद को मैं अपना मित्र, विचार और सरोकार मानता हूं। 31 जुलाई, 1880 को वाराणसी के पास लमही गांव में जन्में प्रेमचंद आज भी इसीलिए प्रासंगिक लग रहे हैं कि हमारा भारत आज भी गरीब किसानों तथा मजदूरों, गांवों के सेठ और सामंतों तथा सांप्रदायिक भेद-विभेद और दलित-महिला उत्पीड़न की कहानियों में रात-दिन समता, न्याय और सद्भाव की तलाश कर रहा है। भारतीय साहित्य मनीषा में सूर, कबीर और तुलसी की सभी छवियां प्रेमचंद में दिखाई देती हैं।

आधुनिक भारत की वैचारिकी में रवीन्द्रनाथ टैगौर, शरतचंद्र, सुब्रहमण्यम भारती और विवेकानंद की तरह प्रेमचंद को भी घर-घर में, स्कूली पाठ्यक्रमों में तथा देश-विदेश की तीन पीढ़ियों में आकर्षण और प्रेरणा की तरह पढ़ा जाता है। प्रेमचंद की ही यह विशेषता है कि वह जाति-धर्म और भाषा तथा क्षेत्रीयता की सीमाएं और संकीर्णताएं लांघकर नए भारत और स्वतंत्र भारत का सपना देखा करते थे। यही कारण है कि प्रेमचंद का साहित्य आज भी एकता और मानवता का बुनियादी सरोकार समझाता है तथा कहता है कि-भारत की हजारों साल पुरानी पहचान और सामाजिक संस्कृति की आधार शक्ति इसके किसान और मजदूर हैं।

प्रेमचंद की परंपरा कबीर, नानक, नामदेव, मीराबाई, दादूदयाल, रैदास और तुकाराम की सामाजिक चेतना का ही विस्तार है। यदि आप प्रेमचंद का चर्चित उपन्यास 'गोदान' पढ़ेंगे, तो जान सकेंगे कि 21वीं शताब्दी में भी हजारों किसान आत्महत्या क्यों कर कर रहे हैं तथा भारत का मजदूर आज भी दुनिया का सबसे सस्ता और मेहनती मजदूर क्यों समझा जा रहा है?

यदि आप प्रेमचंद का सुपरिचित लेख-'महाजनी सभ्यता' को पढ़ेंगे, तो 20वीं शताब्दी में प्रारंभ (1990) दुनिया की नई अर्थव्यवस्था का चेहरा, चाल और चरित्र समझ में आ जाएगा। आप जान सकेंगे कि निजीकरण,

उदारीकरण और भू-मंडलीकरण की, गरीबों के देश भारत में, क्या विनाशकारी भूमिका है। जिस तरह एक महाजन गांव के ठाकुर से मिलकर पूरे गांव के किसान-मजदूरों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी कर्ज़ के कोल्हू में पीसता था, उसी तरह वर्तमान में विकास और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का यह गठबंधन हमें अपने जल, जंगल और जमीन से वंचित कर रहा है। यहां एक लेखक ही आगत और विगत के बीच सामाजिक चेतना का सेतु बनाता है।

प्रेमचंद कोई भक्तिधारा और रीतिकालीन विचारों के कथाकार नहीं थे, अपितु नए समाज के निर्माण में प्रगतिशील सोच और विचार के अग्रगामी थे। 9 अप्रेल, 1936 को लखनऊ में देश के पहले और सर्वभाषा साहित्य संगठन 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना के उद्बोधन में प्रेमचंद ने साहित्य, समाज और समय के बीच एक लेखक की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कहा था कि-साहित्यकार का लक्ष्य केवल महफिल सजाना और मनोरंजन करना ही नहीं, बल्कि मशाल के रूप में सच्चाई दिखाना भी है। प्रेमचंद का साहित्यिक जीवन 1901 में शुरू हुआ था और वह शिक्षा विभाग की नौकरी करते हुए भी अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ सामाजिक निराशा को अपनी लेखनी के माध्यम से व्यक्त कर जन जागरण की भूमिका निभाते थे। प्रारंभ में वह उर्दू कहानियां लिखते थे और 'सोजेवतन' कहानी संग्रह इस प्रारंभ का आधार है। हंस, मर्यादा, माधुरी, जागरण जैसी ऐतिहासिक पत्र-पत्रिकाओं का संपादन तो आज भी हिन्दी साहित्य का प्रतिमान है। यदि आप प्रेमचंद की सैंकड़ों कहानियों-निबंधों के बीच गबन, सेवा सदन, रंग भूमि, निर्मला, मंगल सूत्र जैसी कुछ बानगी ही पढ़ लें, तो जान सकेंगे कि भारत की खोज, का क्या महत्व है?

केवल 56 साल की उम्र में ही 8 अक्टूबर, 1936 को प्रेमचंद का देहांत हुआ था। 'कलम के सिपाही' नाम से लिखी इनके पुत्र अमृतराय की पुस्तक (आत्मकथा) हमें अवश्य पढ़नी चाहिए, ताकि यह कहा जा सके कि जो धारा के विरुद्ध चलता है, वही इतिहास बनाता है। आज प्रेमचंद की रचनाओं का देश और दुनिया की हर भाषा में अनुवाद हो चुका है तथा भारत के गांवों और समाज को समझने के लिए उनका लेखन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।

उनकी अनेक कहानियों पर फिल्में भी बनी हैं तथा उनका साहित्य नए भारत में आज भी सामाजिक-आर्थिक न्याय के लिए जन संघर्ष की आधारशिला है। भारतीय साहित्य में प्रेमचंद को आज भी एक वैचारिक अभियान, आंदोलन और मुहिम का नायक समझा जाता है तथा प्रेमचंद की संपूर्ण चेतना लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की पक्षधर है।

अत: हमें आज फिर से प्रेमचंद के सृजन सरोकारों को जानकर नए भारत के निर्माण की जन संस्कृति को मजबूत बनाना चाहिए, क्योंकि जब तक भारत में शोषण मुक्त समाज नहीं बनेगा, तब तक प्रेमचंद हमारे मन और विचार की दुनिया में जीवित रहेंगे। ऐसे में, आज लेखक और साहित्यकार के सामाजिक और सांस्कृतिक दायित्व, प्रेमचंद को समझे बिना, अधूरे और अपूर्ण हैं।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार हैं)

With Best Compliments

Dr. Gargi Khera
Director

Dr. Tanmay Khera
Director

Kent Homoeos

Full Range Of German & Indian Homeopathic medicines, Book & Sundries

13, Opp. Sukhadia Samadhi,
Ashok Nagar Main Road,
Udaipur (Raj.) 313 001

Shree Uderalal
Homoeopathic Clinic & Store

1, Swaroop Sagar, Udaipur (Raj.) 313 001

Timing
Morning:
11.00 am to 1.00 pm
Evening:
5.00 pm to 7.00 pm

For Genuine & Quality Medicines

Sunday Closed

Appointement No. 95099 74744
email: khera.gargi19@gmail.com

अहमदाबाद प्लेन क्रेश हादसा

राजस्थान के 14 लोगों की मौत

चिकित्सक दम्पती ने खोया संसार, दोस्तों से मिलने की भाई-बहिन की चाह रही अधूरी, नहीं हुई पूरी पिया मिलन की आस

उदयपुर/जयपुर/संवाददाता

अहमदाबाद विमान हादसा राजस्थान के कई परिवारों को कभी न मिटने वाला गहरा जख्म दे गया। लंदन में बच्चों को पढ़ाने का सपना संजोए डॉक्टर दपती को अंदाजा भी नहीं था कि यही सपना उनका काल बन जाएगा। जिस उड़ान पर लोग उन्हें बधाई दे रहे थे, वही पूरे परिवार के जीवन की आखिरी उड़ान साबित हुई। हादसे में डॉक्टर दंपती और उनके तीनों बच्चों की मौत हो गई। थोड़ी देर पहले तक परिवार से फोन पर बात करने वाले मार्बल व्यवसायी के बेटे और बेटी भी काल के ग्रास बन गए। इस हादसे ने राजस्थान के 14 लोगों की जिंदगी ले ली, जिनमें दस उदयपुर के थे। डॉक्टर परिवार के पांच सदस्यों के अलावा मृतकों में दो कुक और मेडिकल की स्टूडेंट भी शामिल है।

बांसवाड़ा मूल के उदयपुर में कार्यरत डॉक्टर कोमी व्यास, उनके पति डॉ. प्रतीक जोशी, दो जुड़वा बेटे प्रद्युत और नकुल और बेटी मिराया आंखों में लंदन में बसने का सपना लेकर विमान में सवार थे। इसके लिए कोमी ने उदयपुर के पिम्स से एक माह पहले ही इस्तीफा दिया था और 11 जून को ही उन्हें वहां से रिलीव किया गया। इस दौरान तमाम दोस्तों ने उन्हें बधाई दी। डॉक्टर दंपती अपनी अगली यात्रा के लिए काफी खुश थे। डॉ. प्रतीक के माता-पिता परिवार को छोड़ने अहमदाबाद भी गए थे कि कुछ ही देर बाद विमान के धमाके ने उन्हें कंपकपा दिया।

डॉ. जोशी दम्पती परिवार

खुशबू कंवर पिता के साथ

शुभ मोदी | शगुन मोदी | वरदीचंद | प्रकाश | पायल

उदयपुर के सहेलीनगर निवासी मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के पुत्र शुभ (25) और बेटी शगुन (23) की भी इस हादसे में मौत हो गई। शुभ और शगुन दोनों ने लंदन में ही पढ़ाई की थी और वे दोस्तों के से मिलने और उनके साथ घूमने की चाह में एक बार फिर लंदन जा रहे थे। दोनों ने फ्लाइट के टेकऑफ से पहले फोन पर परिजनों से बात भी की थी। जो उनकी

जिंदगी की परिवार से आखिरी बात थी। दोनों जवान बच्चों की मौत का समाचार सुनकर मोदी परिवार में कोहराम मच गया।

खुशबू की चार माह पहले ही हुई शादी

जिंदगी की नई शुरुआत नए सपनों और उम्मीदों के साथ हमसफर से मिलने वह पहली विदेशी उड़ान भरने को तैयार थी, लेकिन किसे पता था कि यह उड़ान ही उसका आखिरी सफर बन जाएगा। बालोतरा जिले के अराबा दुदावता गांव की नवविवाहिता खुशबू कंवर राजपुरोहित का नाम भी यात्रियों की सूची में 192 नंबर पर दर्ज था। मदनसिंह राजपुरोहित की बेटी खुशबू की शादी साढ़े चार महीने पहले लूणी विधानसभा क्षेत्र के खाराबेरा पुरोहितान निवासी गजेन्द्र सिंह राजपुरोहित के बेटे विपुल सिंह से हुई थी। विपुल सिंह लंदन में चिकित्सा विभाग में कार्यरत हैं। शादी के बाद यह खुशबू की पहली विदेश यात्रा और पहली बार पति के पास लंदन जा रही थी।

लंदन लौट रहे थे वरदी चंद-प्रकाश

लंदन में बतौर कुक कार्यरत रूण्डेड़ा हाल उदयपुर निवासी वरदीचंद मेनारिया और ग्राम पंचायत ढूंढिया के गांव रोहिड़ा निवासी प्रकाश मेनारिया भी इसी फ्लाइट में थे। ये दोनों एक दिन पहले ही उदयपुर से निकले थे।

लौट न पाए पत्नी-बेटे के पास

बीकानेर मूल के शिव पड़िहार के 43 वर्षीय पुत्र अभिनव कुछ साल से अहमदाबाद में रह रहे थे। कुछ माह पहले ही जॉब मिलने पर वह परिवार सहित लंदन शिफ्ट हुए थे। अभिनव श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व विधायक किशनाराम नाई के दोहिते थे। शिव पड़िहार बीकानेर से एक सप्ताह पूर्व अहमदाबाद गए थे। उनकी पत्नी और आठ साल का बेटा लंदन में थे। 12 जून को अभिनव वापस लंदन लौट रहे थे कि यह हादसा हुआ।

पढ़ने जा रही थी पायल

गोगुंदा की पायल खटीक पुत्री सुरेश खटीक भी विमान में सवार थी। वह पढ़ाई के लिए एडमिशन लेने लंदन जा रही थी। पायल का परिवार गुजरात के हिम्मत नगर में रहता था। गोगुंदा में पायल की दादी रहती है। पायल की मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

मैस में खाना खाते गई जान

अहमदाबाद में जब विमान क्रैश हुआ, उस समय मेस में राजस्थान के दो युवक जयप्रकाश और मानव खाना खा रहे थे। हादसे में दोनों छात्रों की मौत हो गई। बाड़मेर के धोरीमन्ना के बोर चारणान गांव के जयप्रकाश और पीलीबंगा के मानव बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के छात्र थे। जयप्रकाश इस हादसे में 30 प्रतिशत जल गए थे। मेस की दीवार उन पर गिर गई थी। जयप्रकाश के पिता धर्माराम ने खेती-बाड़ी और मजदूरी कर बेटे को पढ़ाया था। कर्ज लेकर कोटा में दो साल कोचिंग कराई।

मानव इकलौती संतान थे...

पीलीबंगा के वार्ड-22 (दुलमानी) निवासी मानव पुत्र दिलीप भादू बीजे मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र थे। हादसे के वक्त मानव मेस में खाना खा रहा थे। वे अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। उनके इस तरह चले जाने से पूरा परिवार सदमे में है।

हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म 07.08.1949 देवलोकगमन 31.05.2025

हमारे पूजनीय, मार्गदर्शक

श्री दिलीप बागला

अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर दिनांक 31 मई 2025 को प्रभु चरणों में लीन हो गए हैं।
उनका स्नेह और आशीर्वाद सदा हमारे साथ रहेगा।
हम सभी परिजन उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

सुषमा, निशांत–मेघना, कुणाल–देवयानी,
दिया, समायरा, आयशा, कृष्णव, अयान

निवास

द मेंशन (गाला बाग), संजय गार्डन के सामने, रोटरी क्लब के आगे,
फतहसागर, रानी रोड उदयपुर

डबल इनकम, नो किड्स

क्या यह नई सोच समाज के ढांचे को बदल रही है?

ारत एक ऐसा देश : जहाँ परिवार को ीवन की धुरी माना ाता रहा है-जहाँ वेवाह के बाद ंतान सुख को ीवन की पूर्णता समझा जाता है। लेकिन आज शहरी भारत में एक नई सोच आकार ले रही है: 'डबल इनकम, नो किड्स', (DINK) यानी ऐसे विवाहित दंपती जो दोनों कमाते हैं लेकिन संतान नहीं चाहते।

यह सोच सिर्फ जीवनशैली नहीं, बल्कि सामाजिक परिपाटियों के विरुद्ध एक ठोस, विचारशील और आत्मनिर्भर निर्णय भी बन चुकी है।

जीवन की प्राथमिकताएं बदल रही हैं

आज के शहरी युवा, विशेषकर महानगरों और बड़े शहरों में रहने वाले शिक्षित दंपती, अब परंपरागत जिम्मेदारियों से हटकर अपने करियर, जीवनशैली और मानसिक शांति को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं।

आर्थिक दृष्टिकोण से देखें, तो बच्चों की परवरिश एक दीर्घकालिक निवेश है — जो शिक्षा, स्वास्थ्य, और जीवनयापन में लाखों रुपये की मांग करता है।

व्यक्तिगत आज़ादी की चाह भी एक बड़ा कारण है — वे यात्रा करना, खुद पर खर्च करना और समय को अपनी पसंद से जीना चाहते हैं।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दम्पत्ती रिद्धिमा व गौरव का कहना है कि 'हम दोनों काम करते हैं और

हमें लगता है कि हमारी दुनिया पूरी है। बच्चा लाना ज़रूरी नहीं, यह एक विकल्प है, ज़िम्मेदारी नहीं।'

सामाजिक नज़रिए से टकराव

DINK कपल्स को अक्सर पारंपरिक परिवारों से ताने सुनने पड़ते हैं:

'बिना बच्चों के घर सूना लगता है', या 'बुढ़ापे में कौन देखेगा?'

इस सोच का विरोध करने वाले लोग मानते हैं कि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर सामाजिक जिम्मेदारियों से भागने की प्रवृत्ति है। लेकिन दूसरी ओर, DINK कपल्स इसे 'ज़िम्मेदार फैसला' बताते हैं — जिसमें वे अपनी सीमाओं, इच्छाओं और भविष्य के प्रति सचेत हैं।

वैश्विक सोच का स्थानीय असर

अमेरिका, यूरोप और जापान जैसे देशों में यह चलन वर्षों से देखा गया है। अब भारत के मेट्रो शहरों के साथ-साथ जयपुर, अहमदाबाद और यहाँ तक कि उदयपुर जैसे टियर-2 शहरों में भी यह जीवनशैली तेज़ी से अपनाई जा रही है।

हाल ही में हुए एक सर्वे में पता चला कि भारत के शहरी क्षेत्रों में 25% विवाहित दंपती अब संतान को लेकर पारंपरिक विचारों से अलग सोच रखते हैं।

स्थानीय रुझान

उदयपुर, जयपुर और कोटा जैसे शहरों में ऐसे कपल्स की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है, खासकर 28-40 आयु वर्ग में।

छोटे कस्बों में अभी भी इस सोच को 'अजीब' माना जाता है, लेकिन सोशल मीडिया और वेबसीरीज़ और इन्फ्लुएंसर संस्कृति ने इस ट्रेंड को सामान्य बनाने में भूमिका निभाई है।

निष्कर्ष - यह सिर्फ चलन नहीं, एक सामाजिक शिफ्ट है।

'डबल इनकम, नो किड्स' अब केवल अंग्रेज़ी शब्दों का ट्रेंड नहीं रहा- यह एक नई सामाजिक विचारधारा बनता जा रहा है। यह निर्णय आत्मनिर्भरता, मानसिक स्पष्टता और स्वतंत्रता का प्रतीक है

राजस्थान जैसे पारंपरिक राज्य में DINK जीवनशैली की स्वीकार्यता धीमी है, लेकिन बढ़ रही है। यह एक संकेत है कि समाज अब विकल्पों के प्रति अधिक खुला हो रहा है।

सवाल यह नहीं है कि यह सही है या गलत — सवाल यह है कि क्या हम एक ऐसे समाज के लिए तैयार हैं जो हर व्यक्ति को अपनी ज़िंदगी अपनी शर्तों पर जीने की आज़ादी दे सके?

राजवीर मेघवाल

पाकिस्तान के बाद बांग्लादेश में भी कट्टरपंथी सोच रखेन वालों का सरकार में हस्तक्षेप बढ़ गया है। शेख हसीना की लोकतांत्रिक सरकार के अपदस्थ होने के बाद दकियानूसी सरकार ने अब बांग्लादेश को भी भिखारी बनाने की ओर कूच कर लिया है। जो सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, वे नोबल पुरस्कार विजेता बताए जा रहे हैं, इससे इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की गरिमा को ठेस ही लगी है। बांग्लादेश में पिछले दिनों 200 वर्ष पुराना वटवृक्ष इसलिए काट दिया गया क्योंकि वट सावित्री व्रत के दिन वहां की हिन्दू महिलाएं उसकी पूजा करती थीं। जिसका चित्र प्रत्यूष ने पेज 22 पर प्रकाशित भी किया है। सरकार के सलाहकार मि. युनूस अब अपने देश में अस्थिरता का ठीकरा भारत पर फोड़ रहे हैं, जब कि कुल्हाड़ी भी उनकी, हाथ भी उनके और कटने वाले पांव भी उनके ही हैं।

श्रीराम सोमानी, *डायरेक्टर*
कान्हा बिल्डर्स एंड डवलपर्स

भारतीय क्रिकेट को अपना अप्रतिम योगदान देने वाले कैप्टन रोहित शर्मा व विराट कोहली के टेस्ट प्रारूप से सन्यास लेने के साथ ही भारतीय क्रिकेट के इतिहास का एक और गौरवशाली अध्याय समाप्त हो गया। इस समय इंग्लैंड में भारत टेस्ट श्रृंखला खेल रहा हैं, इनकी उपस्थिति न केवल इनके फैन्स को खल रही है। बल्कि टीम के साथी भी इन्हे शिद्दत से मिस कर रहे हैं। लेकिन सीमाएं सब जगह हैं और उनमें रहना ही पड़ता है। हालांकि यह सन्तोष जनक है कि वनडे में इनके कलात्मक क्रिकेट को तो देख ही सकेंगे।

अक्षय भानुदास गाडेकर,
भारतीय डाक सेवा

'प्रत्यूष' का माह जून–25 का अंक विविध विषयों पर सारगर्भित आलेखों से समृद्ध रहा। आवरण पृष्ठ 'ऑपरेशन सिन्दूर' व मेवाड़ की सुशील व सौम्य राजनेता डॉ–गिरिजा व्यास को समर्पित था। ऑपरेशन सिन्दूर पर उमेश चतुर्वेदी व डॉ. गिरिजा व्यास के राजनैतिक सफर पर पंकज कुमार शर्मा का आलेख अच्छा लगा। पूर्व में भी कुछ सुधि पाठकों ने इसके बहुरंगी पृष्ठ अधिक जोड़ने का सुझाव दिया था, मैं भी उसे दोहराता हूं ताकि दक्षिण राजस्थान की यह नियमित मासिक पत्रिका और अधिक निखर कर सामने आए।

मधुकर दुबे, *सीएमडी,*
फ्यूजन बिजनेस सोल्यूशन प्रा.लि.

'प्रत्यूष' के जून अंक का सम्पादकीय 'सरकारें जब चुप थीं, न्याय ने आवाज उठाई' एक परिपक्व लेखन था। ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान सैन्य कार्रवाई की प्रेस ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरेशी व व्योमिका सिंह को लेकर कुछ राजनेताओं द्वारा की गई अनर्गल टिप्पणियों से हर भारतवासी के दिल को ठेस लगी है। हालांकि उन्होंने बाद में माफी मांगी लेकिन पार्टी नेतृत्व को इस तरह के बिगड़े बोल पर सख्त एक्शन लेना चाहिए। संवेदनशील मामलों पर प्रतिक्रिया देते समय वाणी का संयम आवश्यक है। इस संबंध में सम्पादकीय के तेवर प्रशंसनीय हैं।

सुरेश गुंदेजा, *सीएमडी,*
अरिहंत ग्रुप

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

Pradeep Gandhi
Director

GRACE

Grace Marble & Granite P. Ltd.

Grace Exports

N.H. 8, Amberi, Udaipur,(Raj.) India
Tel. : 91-294-2440474, 2440475 Fax : +91-294-2440135
E-mail : grace_export@yahoo.co.in, Info@graceexport.com
Website : www.graceexport.com

घरों से बेदखल रेडियो किंतु अप्रासंगिक नहीं

समाज को शिक्षित और जागृत करने में रेडियो (आकाशवाणी चैनल) का बहुत बड़ा योगदान है। आज भले ही इसके महत्व को नकार दें, इंटरनेट के युग में इसके खत्म होने की आशंकाएं जताएं, मगर वास्तविकता यह है कि समाज और राष्ट्र के विकास में इसके योगदान को दरकिनार नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय प्रसारण दिवस (23 जुलाई) के अवसर पर प्रस्तुत है भारतीय समाज में रेडियो की लोक प्रियता पर *उमेश शर्मा* का विशेष आलेख।

रेडियो-आकाशवाणी चैनल का अपना एक स्वर्णिम इतिहास रहा है। लेकिन आज रेडियों के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। आज संचार के कई साधन लोगों के पास हैं। रेडियो को अब अप्रासंगिक माना जा रहा है। अब इंटरनेट पर ऐसे-ऐसे एप उपलब्ध हैं, जो रेडियों की कमी महसूस होने ही नहीं देते। ये एप श्रव्य के साथ दृश्य भी हैं। बावजूद इसके रेडियो अब भी बदलाव का वाहक बन सकता है। इसके माध्यम से देश में साक्षरता दर बढ़ाई जा सकती है, ग्राम विकास और कृषि विकास के बहुत सारे काम किए जा सकते हैं। यह हम पर निर्भर है कि हम इससे कितना और किस प्रकार लाभ लें।

रेडियो, खासतौर से आकाशवाणी चैनल का अपना स्वर्णिम इतिहास रहा है। मगर महज इतिहास के बूते वर्तमान में टिका नहीं जा सकता, विशेषकर तब, जब गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा हो और सब कुछ व्यापारिक गुणा-भाग से तय हो रहा हो। आज रेडियो के सामने कई तरह की ऐसी चुनौतियां हैं, जिनसे पार पाना आसान नहीं है। सबसे पहली समस्या यह है कि आज संचार के कई साधन लोगों के पास हैं। आकाशवाणी को इसलिए हाथोंहाथ लिया गया था, क्योंकि उस समय संचार के अन्य साधन नहीं थे। संचार का एकमात्र खिलाड़ी होने के कारण इसे खूब पसंद किया गया। हालांकि, इसने भी अपनी जिम्मेदारियों से कभी मुंह नहीं मोड़ा और समाज को जागृत करने में इसके योगदान को आज भी शिद्दत से याद किया जाना स्वाभाविक है। मगर इंटरनेट के आ जाने के बाद संचार के कई तरह के साधन लोगों को उपलब्ध होने लगे हैं। देश में भले ही आज एफएम या निजी चैनलों की भरमार हो, लेकिन एक वक्त था, जब सूचना प्रसारण के एकमात्र साधन ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन ही हुआ करते थे। इसकी विकास-यात्रा काफी दिलचस्प रही है। भारत में सबसे पहले रेडियो प्रसारण निजी तौर पर जून 1923 में बॉम्बे (अब मुंबई) के रेडियो क्लब ने किया था। इसके बाद कलकत्ता (अब कोलकाता) रेडियो क्लब में शुरुआत हुई। जुलाई 1923 में जब भारत पर अंग्रेजों का राज था, यहां रेडियो प्रसारण की बात शुरू हुई, जो 23 जुलाई, 1927 को बम्बई में 'इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' के नाम से शुरू हुई। साल 1930 इसके विकास में मील का पत्थर साबित हुआ, जब इसका राष्ट्रीयकरण हुआ और सरकार ने इसे अपने अधीन लेकर इसका नाम बदला, भारतीय प्रसारण सेवा। साल 1936 से यह ऑल इंडिया रेडियो हो गया।

माना यही जाता है कि आज भी देश के 99 प्रतिशत लोगों तक रेडियो की पहुंच है। यह प्रसार का ऐसा माध्यम है, जिसकी पहुंच टीवी और समाचार-पत्र से कहीं अधिक है। ऐसे में रेडियो, विशेषकर आकाशवाणी चैनल अब भी बदलाव का वाहक बन सकता है। इसके माध्यम से देश में साक्षरता दर बढ़ाई जा सकती है। इसी तरह, ग्राम-सुधार का यदि कोई अलग से ब्रॉडकास्टिंग स्टेशन बनवा दिया जाए , तो गांव-घर से जुड़ी तमाम बातें ग्रामीण भारत में कहीं अधिक प्रभावी तरीके से पहुंचाई जा सकती हैं। अब भी समाज में जिस तरह की कुरीतियां कायम हैं, उनको दूर करने में आकाशवाणी चैनल कहीं ज्यादा कारगर हो सकता है। इसी तरह, खेती-किसानी से जुड़ी समस्याओं का समाधान भी रेडियो से किया जा सकता है। कुछ लोग भले ही इसको महत्व न दें, इंटरनेट के चलन में इसके खत्म हो जाने की आशंका जताएं, मगर असलियत में रेडियो सेवा कभी खत्म नहीं हो सकती। इसे बनाए

रखने के लिए इसमें कुछ बुनियादी बदलाव जरूर करने होंगे। इसे अधिक से अधिक जनोन्मुखी बनाना होगा, ताकि लोग इससे फिर से जुड़ सकें। अगर हम ऐसा नहीं कर सके, तो संभव है इसे इतिहास बनते भी देर नहीं लगेगी।

रेडियो संग्रहालय

उत्तर प्रदेश के अमरोहा के नैपुरा गांव निवासी राम सिंह बौद्ध (68)को रेडियो से इस कदर लगाव है कि उन्होंने नए-पुराने रेडियो का एक संग्रहालय ही बना दिया है। उन्होंने 1,257 से अधिक रेडियो सेट का बेजोड़ संग्रह कर विश्व कीर्तिमान बनाया। उनका नाम पिछले वर्ष 26 सितंबर को 'गिनीज वर्ल्ड रिकाड्र्स' में दर्ज किया गया है।.उन्होंने दिल्ली के आकाशवाणी भवन स्थित संग्रहालय को भी 137 अनूठे रेडियो उपहार स्वरूप दिए हैं। राम सिंह का संग्रहालय रेडियो प्रेमियों की विरासत का संरक्षण है, जो आने वाली पीढ़ियों को रेडियो की विकास यात्रा से परिचित कराता रहेगा। राम सिंह वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन आफ

इंडिया में सुपरवाइजर के पद से सेवानिवृत होने के बाद अपना ज्यादातर समय रेडियो के साथ बिताते हैं। उनके मुताबिक, बुश, मर्फी और फिलिप्स जैसी नामी कंपनियों के अलावा उनके संग्रहालय में सोनी ओर पैनासोनिक के रेडियो सबसे ज्यादा संख्या में हैं। इनमें सबसे कीमती रेडियो वर्ष 1920 में बना यूएस आर्मी रेडियो है, जिसकी कीमत तब 20 हजार रुपए थी। सबसे बड़ा रेडियो जर्मन ग्राउंड लिंक कंपनी का है, जिसकी लंबाई डेढ़ मीटर है। सबसे छोटा रेडियो सिर्फ एक इंच का है। संग्रहालय में वर्ष 1931 में बनी पहली बोलती फिल्म की 200 रीलें, 300-400 साल पुरानी 300 पांडुलिपियां, ग्रामोफोन, शक, कुषाण काल से लेकर मुगल और ब्रिटिश शासन के 2500 सिक्के, 250 दुर्लभ पुस्तकें, 12 पाकेट टीवी, स्टोव, 50 टेलीफोन, पेट्रोमैक्स लेंप, रसोई के सामान, समाचार पत्र व डाक टिकट भी शामिल हैं।

Sumeet Mattha, Director
Mo.: 94141-68935,
86193-79098

Shree Mattha
Fabrication Works

High Class Simple, Gear & Motorized Rolling Shutter

17-B, Surbhi Vihar I/s Keshav Nagar, Roop Sagar Road, Udaipur
Email: matthafabrications@gmail.com

आखिरी सांस तक 'आजाद' ही रहे

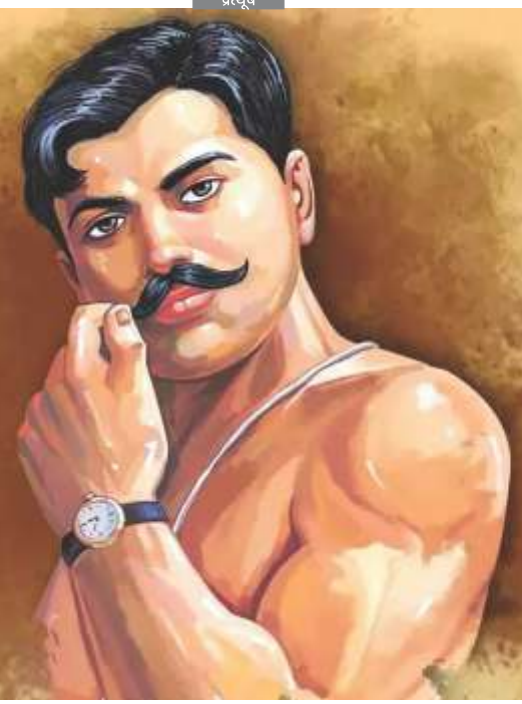

स्वतंत्रता संग्राम के विरले नायकों की श्रृंखला में सिंह की भांति उन्नत मस्तक वाले आजादी के दीवाने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के स्मरण मात्र से शरीर की रगें फड़कने लगती हैं। एक युवा क्रांतिकारी, जिसने अपने देश के लिए हंसते-हंसते प्राण उत्सर्ग कर दिए। चंद्रशेखर हमेशा आजाद ही रहे, अपनी आखिरी सांस तक।

सुरेश कुमार गोयल

चन्द्रशेखर आजाद वीर का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्यप्रदेश की अलीराजपुरा रियासत के मामरा (अब चंद्रेशखर आजाद नगर) ग्राम में मां जगरानी और पिता सीताराम तिवारी के घर हुआ। उनकी आरंभिक शिक्षा गांव में ही हुई। यहीं पर उन्होंने धनुष बाण चलाना सीखा, जिसका फायदा उन्हें क्रांति और स्वाधीनता संग्राम की लड़ाई में गोलियों के निशाने लगाने में मिला। विद्यार्थी चंद्रशेखर को 1919 में अमृतसर के जलियांवाला बाग नरसंहार ने उद्वेलित कर दिया। 14 वर्ष की आयु में संस्कृत पढ़ने काशी आए चंद्रशेखर देश को आजाद करवाने के लिए प्रयासरत क्रांतिकारी वीरों के सम्पर्क में आए और उनके प्रभाव से छोटी आयु में ही देश को आजाद करवाने के कांटों भरे रास्ते पर चल पड़े। पढ़ते हुए ही असहयोग आंदोलन में पहला धरना दिया, जिस कारण पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायाधीश के सामने पेश किया। न्यायाधीश ने जब बालक चंद्रशेखर से इनका नाम, पिता का नाम तथा पता पूछा तो निर्भिक चंद्रशेखर ने अपना नाम आजाद, पिता का नाम स्वतंत्र और निवास बंदीगृह बताया, जिससे इनका नाम हमेशा के लिए चंद्रशेखर आजाद मशहूर हो गया। बालक चंद्रशेखर के उत्तरों से न्यायाधीश गुस्से से लाल हो गया और इन्हें 15 बेतों की कड़ी सजा सुनाई, जिसे देश के मतवाले इस निर्भीक बालक ने शरीर पर पड़ती प्रत्येक बेंत पर भारत माता की जय और वंदेमातरम का जयघोष किया। इस घटना से अन्य क्रांतिकारियों भगतसिंह, राम प्रसाद बिस्मिल, राजगुरु, सुखदेव से इनका संपर्क हुआ और आजाद पूरी तरह से क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल हो गए। साइमन कमीशन के विरोध में बरसी लाठियों के कारण लाला लाजपतराय की शहादत का बदला अपने साथियो सहित लेने के बाद चंद्रशेखर सभी के प्रिय हो गए। इसके बाद हथियार खरीदने के लिए धन की कमी को दूर करने के लिए 9 अगस्त 1925 को कलकत्ता मेल को रामप्रसाद बिस्मिल और चंद्रशेखर के नेतृत्व में 8 साथियों की सहायता से लूटने की घटना को बहुत ही अच्छे ढंग से संपन्न किया। इस घटना से ब्रिटिश सरकार पूरी तरह से बौखला गई और उन्होंने जगह-जगह छापेमारी कर कुछ क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया, जिन्होंने पुलिस की यातना से अपने साथियों के ठिकाने बता दिए। पुलिस ने कई क्रांतिकारियों को पकड़ लिया और राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, ठाकुर रोशनसिंह और राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी को फांसी देकर शहीद कर दिया, परंतु आजाद पुलिस की पकड़ में नहीं आए। 27 फरवरी 1931 के दिन आजाद अपने एक साथी के साथ इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के अलफ्रेड पार्क (अब चंद्रशेखर आजाद पार्क) में बैठे अगली रणनीति पर विचार कर रहे थे कि पैसों के लालच में किसी देशद्रोही मुखबिर ने पुलिस को खबर कर दी। पुलिस ने तुरंत सुपरिटैंडेंट नॉट बाबर के नेतृत्व में इन्हें घेर लिया। 20 मिनट तक भारत माता के इस शेर ने पुलिस का मुकाबला किया और बेहतरीन निशाने से कई को मौत की नींद सुला दिया इस मुकाबले में चंद्रशेखर के शरीर में भी कई गोलियां समा गई। आजाद के पास जब अंतिम गोली रह गई तो उन्होंने उसे कनपटी पर लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर आजादी के महायज्ञ में अपने जीवन की आहुति दे दी। इनका पुलिस में इतना खौफ था कि इनके शहीद होने के काफी समय बाद तक पुलिस इनके पास भी नहीं फटक सकी। चंद्रशेखर आजाद थे और अंतिम समय तक आजाद ही रहे। पुलिस ने बिना किसी को सूचना दिए उनका अंतिम संस्कार कर दिया। जैसे ही आजाद के बलिदान की खबर जनता को लगी, सारा प्रयागराज पार्क में उमड़ पड़ा। समूचे शहर में आजाद के बलिदान की खबर से जबरदस्त तनाव हो गया। जिस वृक्ष के नीचे आजाद शहीद हुए थे, लोग उस वृक्ष की पूजा करने लगे। वृक्ष के तने के इर्द-गिर्द झंडियां बांध दी गई। लोग उस स्थान की माटी माथे से लगाने लगे। आजाद की शहादत के 16 वर्षों बाद 15 अगस्त 1947 को हिंदुस्तान की आजादी का उनका सपना पूरा हुआ।

ज्ञान व प्राण शक्ति के प्रदाता हैं - गुरू

गुरू सत्ता की दो भूमिकाएं हैं। एक तो अंतरात्मा के रूप में दूसरी, एक व्यक्ति के रूप में। सच्चा गुरू शिष्य की आत्मशक्ति को विकसित और विशिष्ट बनाने का सूत्र प्रदान करता है। जीवन में ज्ञान तपे बिना नहीं मिलता, पर जब शिष्य गुरू के शरणागत होते हैं, तब ज्ञान सहज-सुलभ हो जाता है। गुरू पूर्णिमा (10 जुलाई) को आप भी अपने गुरूदेव का श्रद्धा से पूजन-नमन करें।

पंकजकुमार शर्मा

गुरु के सानिध्य में पहुंचकर साधक को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त होती है। ज्योतिषाचार्य के अनुसार गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्मदिन भी होता है। वेद व्यास जी प्रकांड विद्वान थे, उन्होंने वेदों की भी रचना की थी इस कारण उन्हें वेद व्यास के नाम से पुकारा जाने लगा।

ज्ञान का मार्ग है गुरु: गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार संभव हो पाता है और गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं हो पाता। शास्त्रों में गुरु के अर्थ के अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश देने वाला कहा गया है। गुरु हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले होते हैं। गुरु की भक्ति में कई श्लोक रचे गए हैं जो गुरु की सार्थकता को व्यक्त करने में सहायक होते हैं।

आदर भाव एवं श्रद्धा का प्रतीक : भारत में गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही यह परंपरा हमारे भीतर गुरु के महत्व को परिलक्षित करती है। प्राचीन काल में विद्यार्थी आश्रम में निवास करके गुरु से शिक्षा ग्रहण करते थे तथा गुरु के समक्ष अपना समस्त बलिदान करने की भावना भी रखते थे, तभी तो एकलव्य जैसे शिष्य का उदाहरण गुरु के प्रति आदर भाव एवं अगाध श्रद्धा का प्रतीक बना जिसने गुरू को अपना अंगुठा देने में क्षण भर की भी देर नहीं की।

महत्व गुरु पूर्णिमा का : आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा गुरु पूर्णिमा है। लोग अपने गुरु का सम्मान करते हैं उन्हें माल्यार्पण करते हैं और फल, वस्त्र इत्यादि वस्तुएं अर्पित करते हैं। यह गुरु पूजन का दिन होता है जो पौराणिक ! काल से चला आ रहा है। सही मायने में हम जिस भी व्यक्ति से कुछ भी सीखते हैं, वह हमारा गुरु हो जाता है और हमें उसका सम्मान अवश्य करना चाहिए।

गुरु पूर्णिमा का स्वरुप : पूर्णिमा का स्वरुप बनकर गुरु आषाढ़ रुपी शिष्य के अंधकार को दूर करने का प्रयास करता है। शिष्य अंधेरे रुपी बादलों से घिरा होता है जिसमें पूर्णिमा रूपी गुरू प्रकाश का विस्तार करता है। गुरु पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह उज्जवल और प्रकाशमान होते हैं उनके तेज के समक्ष तो ईश्वर भी नतमस्तक हुए बिना नहीं रह पाते। जिस प्रकार आषाढ़ का मौसम बादलों से घिरा होता है उसमें गुरु अपने ज्ञान रुपी पुंज की चमक से सार्थकता प्रदान करता है।

विकित्सा

इंजेक्शन से भी घटता है मोटापा

डॉ. सपन अशोक जैन

मोटापे से परेशान लोगों के इलाज की सुविधाएं बढ़ती जा रही हैं। बेरियाट्रिक सर्जरी के अलावा अब इन्जेक्शन भी उपलब्ध होने लगे हैं, जो मोटापे को काफी हद तक कन्ट्रोल में ला सकते हैं। यह इन्जेक्शन बेरियाट्रिक सर्जन एन्डो काइनोलोजिस्ट की ही देखरेख में ही लेना चाहिए। इन्जेक्शन 2.5 एमजी एवं 5 एमजी में उपलब्ध हैं। जिन्हें डॉक्टर के परामर्श से ही लेना होता है। इन्जेक्शन से ट्रीटमेंट के परिणाम काफी हद तक संतोषजनक हैं। इन्जेक्शन के साथ रोगी को अपनी दिनचर्या खानपान, व्यायाम पर विशेष ध्यान रखना होगा। इन्जेक्शन शरीर के दो हार्मोन्स पर कार्य करता है। जिसे जीआईपी एवं जीएलपी.1 कहते हैं। यह हार्मोन्स मनुष्य की भूख के लिये जिम्मेदार होते हैं। इन्जेक्शन वजन के साथ शुगर को भी कंट्रोल करने में कारगर सिद्ध हुआ है। अमेरिकन कंपनी का कहना है ये इन्जेक्शन लेने

से 15 से 27 किलो तक का वजन कम हो सकता है। लेकिन व्यवस्थित दिनचर्या, खानपान, और व्यायाम से परिणाम और बेहतर हो सकते हैं। मोटापे का भी अपना एक मापदंड है- जैसे क्लास फर्स्ट ओबेसिटी जिसमें बीएमआई 30.35 के बीच होता है। खासकर उन लोगों पर मुन्जारो इन्जेक्शन का प्रभाव अच्छा एवं कारगर दिखेगा। क्लास सैकंड ओबेसिटी जिसमें बीएमआई 35.40 के बीच होता है, वे लोग इन्ट्रागेस्टिक बैलून के साथ इन्जेक्शन का उपयोग लेकर वजन के साथ अन्य बीमारियों का भी इलाज ले सकते हैं। क्लास थर्ड ओबेसिटी खतरनाक श्रेणी की होती है। जिसमें बीएमआई 40 से अत्यधिक के साथ मेटाबोलिक सिड्रोम भी होता है। जिसमें अत्यधिक वजन के साथ शुगर, ब्लड प्रेशर, थायराइड स्लीप एपनिया जैसी बीमारियां भी होती हैं। ऐसे मरीजों को बेरियाट्रिक सर्जरी की सलाह दी जाती है। क्योंकि बेरियाट्रिक सर्जरी से मेटाबोलिक सिड्रोम भी कंट्रोल में आता है। क्लास 1 अ ओबिसिटी जिनका बीएमआई 50 से अत्यधिक है, वैसे लोगों को वजन के कारण जान जाने का खतरा बना रहता है। इन मरीजों को तुरंत बेरियाट्रिक सर्जरी की सलाह दी जाती है। मुन्जारो इन्जेक्शन उन लोगों के लिए नहीं है, जिन्हें पहले कैन्सर हुआ है या पेन्क्रियास की तकलीफ हुई है।

(लेखक उदयपुर के शांतिराज तथा पारस हॉस्पीटल में वरिष्ठ बेरियाट्रिक गेस्ट्रो एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन हैं)

आत्मशुद्धि का अभियान
चातुर्मास

चार्तुमास काल आध्यात्मिक वातावरण और अच्छे विचार परिवर्तन का अवसर प्रदान करता हैं। जिस प्रकार बादल की सार्थकता बरसने में, पुष्प की सुगंध में तथा सूर्य की सार्थकता जग को प्रकाशित करने में है, उसी प्रकार चार्तुमास की सार्थकता परिवर्तन में है।

गुरु सुदर्शन

चातुर्मास आत्मशुद्धि का पर्व है। संस्कार शुद्धि का अवसर है। यह खान पान व चाल-चलन में विवेक बरतने का पर्व है। जैन, वैदिक व बौद्ध सभी परंपराओं में चातुर्मास का विधान है। जैन परंपरा में आषाढ़ी पूनम से कार्तिक पूनम तक चार महीने, पैदल विहार करने वाले जैन श्रमण एक ही स्थान पर निवास करते हैं। वैदिक संत-महात्मा भी वर्षाकाल में चातुर्मास करते हैं। वर्षावास में वर्षा ऋतु के दो माह श्रावण-भाद्रपद के महीने आते हैं। वैदिक ग्रंथों में वशिष्ठ ऋषि लिखते हैं- चातुर्मास के चार महीने विष्णु भगवान क्षीर सागर में शयन करते हैं, इसलिए यह समय धर्माराधना में बिताना चाहिए। योग, ध्यान, धर्म श्रवण, जप, तप में बिताने चाहिए। एक मायने में 8 महीने तक लगातार विहार करने वाले साधु के लिए चातुर्मास रात्रि के विश्राम की तरह होता है। शयन का यही अर्थ है कि हमारी प्रवृत्तियां सीमित हो जाएं। सोना निवृत्ति का सूचक है और जागना प्रवृत्ति का। चातुर्मास पर्व प्रेरणा देता है कि हमारा पुरुषार्थ अंतर्मुखी हो जाए। हम भले ही बाहर से सो जाएं, पर भीतर से जागते रहें। वर्षा के कारण पृथ्वी पर अगणित, असंख्य, अनंत जीवों की उत्पत्ति होती है। ऐसे सूक्ष्म जीव, जो आंखों से दिखाई नहीं देते। उन जीवों की रक्षा के लिए श्रमण एक स्थान पर ठहरते हैं। भगवान महावीर चार महीने के लिए एक निर्जन स्थान पर जाकर तप धारण कर ध्यान लीन हो जाते थे। बाहरी दृष्टि से सो जाते थे, पर मन जागता रहता था। ग्रंथों में वर्णन मिलता है कि जयंती बहन भगवान महावीर से पूछती हैं- हे भंते ! जीव का सोना अच्छा है या जागना ? उत्तर में भगवान ने कहा, 'कुछ जीवों का सोना अच्छा है औरकुछ का जागना।' जयंती पूछती हैं, 'अच्छा ! भंते ये कैसे ? किनका सोना अच्छा है और किनका जागना अच्छा है ? भगवान महावीर ने कहा, 'जो लोग बुरे भावों में जीते हैं, उनका सोना अच्छा है और जो अच्छे भावों में जीते हैं, उनका जागना।' गुरु नानक जी ने भी सेवा करने वालों को उजड़ने का और निरादर करने वालों को बसने का आदेश दिया है। बात एक ही है। बुराई का सिमटना और अच्छाई का फैलना अच्छा होता है। चातुर्मास आत्म अवलोकन का एक अवसर है। परोपकार का अवसर है। बुद्धिमान वही होता है, जो अवसर को पहचान लेता है और लाभ उठाता है। चातुर्मास के इस काल में आध्यात्मिक लाभ उठाने के लिए अपनी मनोभूमि तैयार कीजिए। चिंतन, मनन, उपदेश-श्रवण तथा श्रद्धा-विश्वास को जीवन में उतारें। वर्षाकाल में जीवों की विराधना से बचने के लिए यातायात, प्रवास को सीमित करें। चलने और खाने-पीने में विवेक रखें। क्रोध, मान, माया, लोभ आदि की अग्नि को शांत करने का प्रयास कीजिए।

(लेखक श्री विनय मुनि के प्रखर शिष्य हैं)

भगवान महावीर ने चातुर्मास को विहार चरिया इसिणां पसत्था कहकर विहारचर्या को प्रशस्त बताया है। भगवान बुद्ध चातुर्मास के बारे में कहते हैं चरथ भिक्खव चारिकां बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय। ऐसा कहकर बौद्ध भिक्षुओं के लिए चरैवेति-चरैवेति का संदेश दिया। इस दौरान जैन साधु किसी एक जगह ठहरकर तप, प्रवचन तथा जिनवाणी के प्रचार-प्रसार को महत्व देते हैं। जैन धर्म के अनुयायी वर्ष भर पैदल चलकर भक्तों के बीच अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य का विशेष ज्ञान बाटते हैं। चातुर्मास में ही जैन धर्म का सबसे प्रमुख पर्व पर्युषण पर्व मनाया जाता है।

JAI DRISHTI Eye Hospital

केशलेस सुविधा उपलब्ध

RGHS

मोतियाबिंद ऑपरेशन

मोतियाबिंद ही नहीं, चश्मा भी हटाएं।

PanOptix® • Vivity® • Tecnis®

जय दृष्टि आई हॉस्पिटल

स्पष्ट दृष्टि, साफ़ बात

99829-96666

St. Xavier Sec. School

(A Unit of St. Xavier Educational Society)

Co-Educational, English Medium School

Our success lies in your child's progress

Contact No.
9414163479
9610843479

Add: H-7, Haridas Ji Ki Magri, Krishna Complex, Udaipur (Raj.)

आयातक से निर्यातक हुआ भारत

एक समय भारत रक्षा उत्पादों के लिए दुनिया के महाशक्ति राष्ट्रों पर निर्भर था, लेकिन अब भारत ने पिछले कुछ ही वर्षों में रक्षा आयात 21 प्रतिशत तक घटा लिया है। आत्मनिर्भरता बढ़ी है। पिछले 11 वर्ष में भारत के रक्षा निर्यात में 34 गुना बढ़ोतरी हुई है। करीब 100 देशों में हम कोई न कोई रक्षा उत्पाद भेज ही रहे हैं।

निरंकार सिंह

2000
करोड़ रुपए से भी कम हुआ करता था करीब दस साल पहले भारत का रक्षा निर्यात

23,000
करोड़ रुपए से भी ज्यादा का हो चुका है भारत का रक्षा हथियार या रक्षा उपकरण निर्यात

50,000
करोड़ रुपए से ज्यादा का हो जाएगा, आगामी पांच वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की स्वदेशी और स्वचालित रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान में आतंकियों के अड्डों पर बरपाया कहर और एयरबेस किए नाकाम

पिछले कुछ वर्षों में भारत दुनिया में एक मजबूत सैन्य शक्ति के रप में उभरा है। दुनिया में उसका दबदबा बढ़ा है। देश की सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्म निर्भरता के लिए जिस तेजी से कदम बढ़ाए हैं, उसने दुनिया को हैरत में डाल दिया है। अब हमने कई आधुनिक विमानों और उपकरणों का आयात करने के साथ-साथ देश में ही हथियारों और मिसाइलों के निर्माण का काम तेजी से शुरु कर दिया है। आज भारत दूसरे देशों को अपने बनाए हथियार बेच रहा है। इस दौरान भारत का रक्षा आयात घटा है और निर्यात में बढ़ोतरी हुई है। आज रक्षा क्षेत्र में हमारा निर्यात 23,622 करोड़ रुपए तक जा पहुंचा है। यह अगले पांच वर्ष में बढ़कर 5 अरब अर्थात 50000 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है। दुनिया की सबसे ताकतवर और टॉप 10 सेनाओं में भारतीय वायुसेना का तीसरा स्थान है। वह आज चीन, जापान और फ्रांस से आगे निकल गया है। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मिलट्री एयरक्राफ्ट की रैंकिंग 2022 में भारत तीसरे नंबर पर हो गया है। बहरहाल, भारत के ब्रह्मोस मिसाइल के अलावा आकाश एयर डिफेंस प्रणाली की भी दुनिया में खासी धूम है। भारत का स्वदेशी जेट विमान तेजस पूरी दुनिया में धूम मचा रहा है। दुनिया के बड़े-बड़े देशों ने इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा निर्यातक अमेरिका भी पूरी तरह भारत में विकसित इस लड़ाकू विमान में दिलचस्पी दिखा रहा है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस समेत छह देशों ने भारत में निर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस में रूचि दिखाई है। वहीं मलेशिया पहले ही इस विमान को खरीदने की तैयारी में है। भारत ने मलेशिया को 18 तेजस बेचने की पेशकश की है। हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित तेजस एक इंजन वाला बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है, जो ज्यादा खतरे की स्थिति में इस्तेमाल किया जा सकता है।

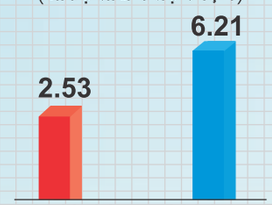

समय के साथ भारत और अन्य देशों की रक्षा जरूरतें बढ़ती जा रही है।

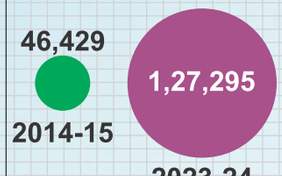

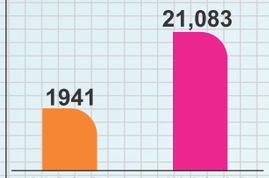

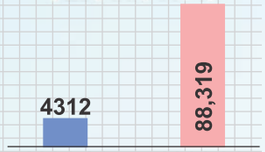

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने जो ताकत दिखाई है, उससे हमारा रक्षा निर्यात और बढ़ेगा। भारत में लगभग 100 कम्पनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं। भारत ने 53 से अधिक देशों के साथ रक्षा सहयोग समझौते किए हैं, जिससे भारतीय रक्षा उत्पादों के लिए नए बाजार खुल रहे हैं।

भारत में बढ़ी दिलचस्पी

हथियार निर्यात से केवल देश की आय ही नहीं बढ़ी है, बल्कि सामरिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण दक्षिण पूर्व एशिया में हमारी धमक भी बढ़ी है। फिलीपींस के बाद वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों ने भी हमसे हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है।

भारत के इन रक्षा उत्पादों की दुनिया में मांग

- भारतीय मिसाइलों की मांग जोर पकड़ने लगी है, इनमें सबसे खास मिसाइल या मिसाइल रक्षा प्रणाली हैं: ब्रह्मोस, आकाश और पिनाक।
- भारतीय विमानों की मांग भी बढ़ रही है। इनमें प्रमुख है-डोर्नियर-228, एलसीए तेजस और एएलएच ध्रुव।
- तोपखाना की मांग भी बढ़ी है। 155 मिमी/52 कैलिबर डीआरडीओ एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम, धनुष आर्टिलरी गन सिस्टम की आपूर्ति विदेश में हो रही है।
- भारतीय बख्तरबंद वाहनों की मांग हो रही है। टैंक परिवहन के विभिन्न मॉडल दुनिया में बिक रहे हैं।
- भारतीय पनडुब्बी, युद्धपोत, तेज इंटरसेप्टर बोट, हल्के टॉरपीडो को भी दुनिया के अनेक देश खरीद रहे हैं।
- भारतीय रडार भी अच्छे माने जा रहे है। 2 डी और 3 डी निगरानी वाले रडार निर्माण में तेजी आ रही है।
- गोला-बारूद और छोटे हथियारों की भी मंग बढ़ी है। राइफल, बुलेटप्रूफ जैकेट से लेकर सैन्य बूट तक की मांग है।

(लेखक रक्षा विज्ञान के विशेषज्ञ हैं)

ध्वनि की गति से भी तेज ब्रह्मोस

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक मिसाइल है अर्थात यह ध्वनि की गति से भी ज्यादा तेजी से यात्रा करती है। ध्वनि की गत से लगभग तीन गुना गति से चलकर यह मार कर सकती है। इस उच्च गति के चलते सब-सोनिक मिसाइलों की तुलना में इसका प्रभाव काफी अधिक होता है। ब्रह्मोस की विशेषज्ञता है कि भूमि-आधारित स्वायत्त मोबाइल लॉंचर, जल जहाजों और यहां तक कि सक्षम लड़ाकू विमान से भी इसे लॉंच किया जा सकता है। खास बात यह है कि यह मिसाइल पनडुब्बी से लॉन्च किए जाने वाले संस्करण में भी उपलब्ध है। 'सिंदूर' सैन्य अभियान में भी इस मिसाइल का प्रयोग किया गया और इसकी प्रशंसा हो रही है। इस मिसाइल का निर्माण भारत में साल 2005 में ही शुरू हो गया था और अब भारत की तीनों सेनाओं के पास बड़ी संख्या में ब्रह्मोस मिसाइल है।

आकाश रक्षा प्रणाली

आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, जो विविध हवाई खतरों के खिलाफ क्षेत्रीय, वायु रक्षा प्रदान करती है। इसका इस्तेमाल सिंदूर सैन्य अभियान में किया गया। बहुत कम समय में या तत्काल वार में यह सक्षम है। मल्टी सेंसर डाटा प्रोसेसिंग और खतरे का मूल्यांकन किसी भी दिशा से कई लक्ष्यों को एक साथ निशाना बनाने में यह सक्षम है।

तेजस से बढ़ा भारत का गौरव

भारत के गौरव का प्रतीक माने जाने वाले तेजस सीरीज के लड़ाकू विमानों में तेजस एमके 1 अपने शानदार प्रदर्शन और क्षमताओं के लिए अक्सर सुर्खियों में रहता है। अब भारत के रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए तेजस एमके 2 लड़ाकू विमान पर भी काम चल रहा है। दुनिया के अनेक देशों में तेजस की मांग है। यह विमान किफायती और कारगर है। इसे जरूरत के हिसाब से और विकसित करने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

पिनाक रक्षा प्रणाली

पिनाक को उच्च गतिशीलता के लिए जाना जाता है। पिनाक को टाटा ट्रक पर लगाया गया है, जिससे इसकी उच्च गतिशीलता सुनिश्चित होती है। इसे कहीं भी तैनात किया जा सकता है। यह एक मल्टी मिसाइल लॉन्चर है। यह 44 सैकंड में 12 रॉकेटों को दुश्मन निशानों पर लॉन्च कर सकता है। यह 60 से 90 किलोमीटर की रेंज तक वार करने में सक्षम है।

प्रत्यूष

चैम्बर ऑफ कामर्स क्रिकेट प्रतियोगिता

सर्राफा हीरोज बने चैंपियन, उपविजेता का खिताब मार्बल एसोसिएशन को

उदयपुर। चैंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन की ओर से आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन 31 मई को फील्ड क्लब ग्राउंड पर हुआ। प्रतियोगिता में सर्राफा एसोसिएशन के हीरोज पहले चैंपियन बने। उप विजेता मार्बल एसोसिएशन की टीम रही। समापन समारोह में अतिथि गीतांजली ग्रुप के चेयरमैन जेपी अग्रवाल थे। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम है। 24 मई से शुरू हुई प्रतियोगिता में उदयपुर शहर के 52 व्यापारिक संगठनों की टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर एक विशेष मैत्री मैच का आयोजन लेकसिटी प्रेस क्लब और चैंबर ऑफ कॉमर्स के मध्य हुआ। चैंबर प्रचार प्रसार मंत्री राकेश जैन ने बताया कि फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए मार्बल एसोसिएशन ने 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 51 रन बनाए। सर्राफा एसोसिएशन (हीरोज) के गेंदबाज मोहम्मद शारीक ने तीन विकेट लिए। जवाब में सर्राफा एसोसिएशन ने बाद में खेलते हुए 5.2 ओवर में 3 विकेट खोकर 54 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। राजा सोनी ने 2 छक्के और 5 चौके की मदद से 36 रन बनाए। मैच में मेन ऑफ द मैच राजा सोनी, बेस्ट बैट्समैन मिहिर सोनी, बेस्ट बॉलर मोहम्मद शरीक वैल्यूबल प्लेयर राधेश्याम चौबीसा रहे। चैम्बर अध्यक्ष पारस सिंघवी ने अतिथियों का स्वागत किया। संयोजक संजय भण्डारी ने प्रतियोगिता का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रवक्ता राकेश जैन ने निर्णायक मैच की जानकारी दी। रंगारंग समापन समारोह में कलक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, एसके खेतान, समाजसेवी प्रमोद सामर, चैंबर सलाहकार गणेश डागलिया, परम संरक्षक शब्बीर के मुस्तफा, संरक्षक अंबालाल बोहरा, दिनेश चावत, सुखलाल साहू, यशवंत आंचलिया, राजमल जैन, भंवरलाल सुहालका, सुरेंद्र बाबेल, अजय पोरवाल, आलोक पगारिया, इंदरसिंह मेहता आदि उपस्थित रहे। ***संयोजक: संजय भंडारी***

कैलाश 'मानव' सम्मानित

उदयपुर। चार दशक से दिव्यांगता और पीड़ित मानवता के लिए सेवारत नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक चेयरमैन पद्मश्री अलंकृत कैलाश 'मानव' को दिल्ली में प्रतिष्ठित लक्ष्मीपत सिंघानिया आईआईएम लखनऊ राष्ट्रीय नेतृत्व पुरस्कार 2023-24 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सामुदायिक सेवा एवं सामाजिक उत्थान श्रेणी में भेंट किया गया। पुरस्कार समारोह की मुख्य अतिथि-भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण थीं। जिन्होंने प्रतीक चिन्ह और सम्मान पत्र दिया। संस्थान की ओर से संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। उन्होंने कहा यह न केवल संस्थान के लिए गौरवपूर्ण है बल्कि यह लाखों दिव्यांगों की आशा- आकांक्षाओं का सम्मान है। इस अवसर पर जेके ऑर्गेनाइजेशन के प्रेसिडेंट भरतहरि सिंघानिया, वाईस प्रसिडेंट रघुपति सिंघानिया, पुरस्कार जूरी चेयरमैन एनके सिंह और प्रो एमपी गुप्ता, निदेशक आई आई एम लखनऊ मौजूद थे।

महिला समृद्धि बैंक को भारत रत्न सहकारिता सम्मान

उदयपुर। उदयपुर में दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ओपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा सहकारिता क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर दो अवार्ड प्राप्त कर राजस्थान में सहकारिता का नाम अखिल भारतीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। बैंक अध्यक्ष डॉ किरण जैन ने बताया कि सहकारिता, आईटी एवं बैंकिंग की राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्था बो ट् बी मुम्बई द्वारा 23 मई को होटल द ललित, मुम्बई में राष्ट्रीय सहकारिता अधिवेशन आयोजित किया गया, जिसमें देश भर के सहकारी बैंकों ने भाग लिया। बैंक के मुख्यकार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत ने बताया कि उक्त अधिवेशन में बैंकों की वर्ष 2024-25 के प्रगति विवरण के आधार पर मुख्य अतिथि सुमनेश जोशी, संयुक्त संचिव, आई टी कम्युनिकेशन मंत्रालय, भारत सरकार एवं प्रभात चतुर्वेदी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा महिला समृद्धि बैंक के आई टी हेड निपुण चित्तौड़ा को बेस्ट आई टी हेड के रुप में भारत रत्न सहकारिता सम्मान से नवाजा गया एवं बैंक की ओवरऑल परफोरमेंस हेतु महिला समृद्धि बैंक को बेस्ट महिला अरबन को-ऑप बैंक के रुप में भारत रत्न सहकारिता सम्मान से नवाजा गया। चपलोत ने बताया कि इस अधिवेशन में महिला समृद्धि बैंक की ओर से बैंक अध्यक्ष डॉ. किरण जैन, उपाध्यक्ष श्रीमती विमला मूंदडा एवं आई टी हेड निपुण चित्तौड़ा ने भाग लिया।

खोखावत अध्यक्ष, वैद राष्ट्रीय सदस्य मनोनीत

अर्जुन खोखावत

अनिल वैद

उदयपुर। ऑल इण्डिया टेन्ट डेकोरेशन वेलफेयर एसोसिएशन नई दिल्ली की कार्यकारिणी में अर्जुन खोखावत को संभागीय अध्यक्ष और अनिल वैद को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया है। यह जानकारी उदयपुर जिला टेन्ट व्यवसायी समिति के अध्यक्ष सुधीर चावत ने दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि जिंदल और प्रदेशाध्यक्ष रासबिहारी शर्मा ने मनोनयन पत्र जारी कर संगठन के हित में काम करने के निर्देश दिए।

टॉप विवि में शुमार राजस्थान विद्यापीठ

उदयपुर। जाने माने शिक्षाविद प्रो. (कर्नल) एस.एस सारंगदेवोत के नेतृत्व में पिछले 13 सालों में राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय की दिशा और दशा दोनों ही बदल चुकी हैं। आज विवि के पास नैक से ए ग्रेड है जो कि इसे देश के टॉप विवि में शामिल कराता है। प्रो. सारंगदेवोत ने 2 जून 2012 को विद्यापीठ विवि में सातवें कुलपति के रूप में बागडोर संभाली थी। इसके बाद विवि में नए कोर्स हो या पीएचडी इन सब में विद्यापीठ ने नया मुकाम पाया। 2012 से पहले विद्यापीठ में न तो डिजिटलीकरण था और न ही ई-पुस्तकों या ई-जर्नल्स की कोई सुविधा। लेकिन आज 70 प्रतिशत पुस्तकें डिजिटाइज हो चुकी हैं। 1,70,000 ई-पुस्तकें और 3,500 ई-जर्नल्स उपलब्ध हैं। पुस्तकालय ऑटोमेशन लगभग पूर्ण हो चुका है। किताबों की संख्या 1.47 लाख से बढ़कर 2.73 लाख से अधिक हो चुकी हैं और एनसाइक्लोपीडिया की संख्या 100 हो चुकी हैं। प्रो. सारंगदेवोत द्वारा अब तक 95 शोधार्थियों को पीएचडी पूर्ण कराई गई है। 2012 में केवल 05 कोर्स यूजीसी से मान्यता प्राप्त थे लेकिन वर्तमान में 69 कोर्स मान्यता प्राप्त हैं। इनके कार्यकाल में एग्रीकल्चर, विधि महाविद्यालय, बीएड, बीएएससी बीएड, योगा, नर्सिंग, जीएनएम, बीएससी, एमएससी, सर्टीफिकेट व डिप्लोमा कोर्स, दो कन्या महाविद्यालय के अलावा 125 बेड वाले हॉस्पीटल की स्थापना भी हुई।

हार्दिक श्रद्धांजलि

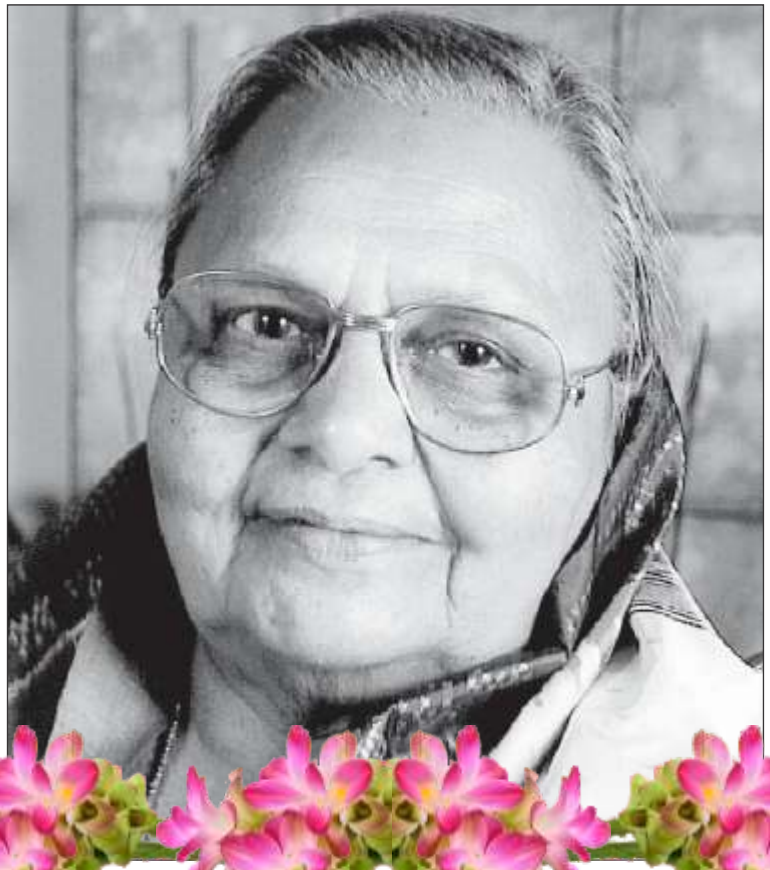

हमारी मार्गदर्शक

श्रीमती सरस्वती सिंघल

(W/o स्वर्गीय श्री पी.पी. सिंघल)

अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर शुक्रवार दिनांक 30 मई 2025 को प्रभु चरणों में लीन हो गईं।

उनका स्नेह और आशीर्वाद सदा हमारे साथ रहेगा।
उनकी आत्मिक शांति के लिए हम सभी परिजन श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

शोकाकुल

सलिल–मधु, अरविन्द–बीना, संजय–नंदिता, शेफाली, मयंक, पूजा,
अनुपमा–गौरव, गौरांग–नित्या, सुकेत–वसुमना, अनन्य, शिवानी

लोकमान्य ने दी स्वतंत्रता संघर्ष को मज़बूती

'आजादी' कहें या 'स्वतंत्रता' ये ऐसे शब्द हैं, जिनमें पूरा आकाश समाया है। आजादी एक स्वाभाविक भाव है। इसकी चाह मनुष्य को ही नहीं जीव-जन्तु और वनस्पतियों तक में रहती है। प्रकृति भी स्वतंत्र और स्वच्छ है। धरती में दबा हुआ बीज भी धूप, हवा और नमी पाने के लिए धरती से बाहर निकलने की जद्दोजहद करता है। ब्रिटिशराज की कारा से भारत को मुक्त करने के लिए 1857 में क्रान्तिकारियों ने बिगुल फूंक दिया था, लेकिन इस संघर्ष को धार तब मिली जब बाल गंगाधर तिलक ने 'स्वतंत्रता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार' का मंत्र देश को दिया।

पंकजकुमार शर्मा

'**स्वराज** मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।' का नारा देते हुए आजादी का बिगुल बजाने वाले बाल गंगाधर तिलक ने ब्रिटिश राज की क्रूरता की निंदा अपने लेखों में की। देश की जनता को आजादी के लिए प्रेरित करने के कारण उन्हें लोकमान्य की उपाधि दी गई। बाल गंगाधर तिलक को हिंदू राष्ट्रवाद का पिता भी कहा गया। वे शिक्षक, वकील, समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी थे।

बाल गंगाधर तिलक का जन्म महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के गांव चिखली में हुआ था। उन्हें बचपन से पढ़ाई-लिखाई का माहौल मिला। उनके पिता गंगाधर शास्त्री रत्नागिरी में संस्कृत विद्वान और स्कूल शिक्षक थे। उनकी माता का नाम पार्वती बाई था। 1871 में तिलक ने तापीबाई से शादी की, जो बाद में सत्यभामाबाई के नाम से प्रख्यात हुई। अंग्रेजी शिक्षा के आलोचक तिलक स्कूल और कॉलेजों में गणित विषयों के शिक्षक रहे। उन्होंने भारत में शिक्षा के सुधार के लिए दक्खन शिक्षा सोसायटी की स्थापना भी की।

अंग्रेजी शासन के विरुद्ध और जनता में आजादी की चाह जगाने के लिए तिलक ने अंग्रेजी में 'मराठा दर्पण' और मराठी में 'केसरी' नामक दैनिक समाचार पत्र शुरू किए। जिन्हें जनता ने खूब सराहा। सत्ता के विरुद्ध पत्रकारिता की वजह से उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा।

जन्म: 23 जुलाई 1856
निधन: 1 अगस्त 1920

भारतीय राजनीति में लाल-बाल-पाल की जोड़ी ने कमाल कर दिखाया। इस जोड़ी के कारण ही देश को आजादी का स्वाद चखने को मिला। बाल गंगाधर तिलक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में 1890 में शामिल हो गए। गरम दल में तिलक के साथ लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल शामिल थे। 1908 में उन्हें प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस के बम हमले का समर्थन करने पर म्यांमार स्थित मांडले की जेल भेज दिया गया। जेल से छूट कर वे फिर कांग्रेस में शामिल हो गए और 1961 में एनी बेसेंट और मुहम्मद अली जिन्ना के साथ अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की। तिलक कई बार जेल गए, लेकिन अपने लक्ष्य पर डटे रहे। वे एक आंदोलनकारी और शिक्षक के अलावा समाज सुधारक भी थे। उन्होंने बाल विवाह जैसी कुरीतियों का विरोध किया और इसे प्रतिबंधित करने की मांग की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का भी समर्थन किया। आंदोलन, विभिन्न पत्रों और भाषणों के माध्यम से देश की अवाम को एक साथ लाने वाले तिलक कुशल संयोजक भी थे। उन्होंने गणेश उत्सव और शिवाजी के जन्मोत्सव जैसे लोकप्रिय सामाजिक उत्सव शुरू किए।

तिलक ने कई पुस्तक लिखीं, लेकिन उनके द्वारा मांडले जेल में लिखी गई गीता-रहस्य सर्वोत्कृष्ट है, जिसका कई भाषाओं में अनुवाद हुआ है। उनकी प्रमुख पुस्तके हैं, वेद काल का निर्णय, श्रीमद्भगवतगीता रहस्य या कर्मयोग शास्त्र, आर्यों का मूल निवास स्थान, हिंदुत्व, श्यामजीकृष्ण वर्मा को लिखे तिलक के पत्र, वेदों का काल-निर्णय और वेदांग ज्योतिष आदि।

बाल गंगाधर तिलक मधुमेह से पीड़ित थे उनका स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन बिगड़ता चला गया। जुलाई 1920 में उनकी हालत खराब हो गई और 1 अगस्त को मुंबई में उनका निधन हो गया। मरणोपरांत श्रद्धांजलि देते हुए गांधीजी ने उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता कहा और जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय क्रांति का जनक बताया।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

0294-2410444

09414155797 (M)

श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ ज्योतिष कार्यालय

कांतिलाल जैन
(ब्रह्मचारी)

जैन साधनानुसार हस्तरेखा, तंत्र-मंत्र के विशेषज्ञ

नाकोड़ा रूप भवन

167, रोड नं. 11, अशोक नगर, माया मिष्ठान के पास, उदयपुर-313001 (राज.)

मिलने का समय : दोपहर 3 से सायं 7 बजे तक

नाकोड़ा रूप भवन

Ph: 022-24123857, 093220-90220 (M)

ब्लॉक नं. 10, केलकर बिल्डिंग,
नयागांव के.ए. हाउसिंग सोसायटी,
प्लॉट नं. 60-बी,एस.एम. जाधव मार्ग,
कृष्णा हॉल के सामने, दादर (ईस्ट) मुम्बई-14

रविवार चौकी
एवं आरती

मिलने का समय :
दोपहर 3 से
सायं 7 बजे तक

वास्तु शास्त्र के अनुरूप सजाएं घर

रक्षा सेठी

वास्तु शास्त्र, जो एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है, हमें घर के निर्माण और सजावट के ऐसे सिद्धांत प्रदान करता है, जो न केवल सौंदर्य बढ़ाते हैं बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होते हैं। सही दिशा, रंगों का चयन और सजावट के अनुसार घर में ऊर्जा प्रवाह संतुलित रहता है।

मुख्य द्वार : सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेशद्वार होता है, इसलिए इसे वास्तु के अनुसार सही दिशा में रखना आवश्यक है।

1. मुख्य द्वार उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है।
2. दरवाजे को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाए रखें। शुभ चिन्ह जैसे 'स्वस्तिक' या 'ॐ' लगाना सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है।
3. दरवाजे के पास तुलसी का पौधा या तोरण लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।
4. सामने कोई अवरोध (पेड़, खंभा, कूड़ादान) नहीं होना चाहिए, ताकि ऊर्जा प्रवाह बाधित न हो।

लिविंग रूम : घर की ऊर्जा का केंद्र लिविंग रूम घर की सबसे महत्वपूर्ण जगह होती है, जहां परिवार के सदस्य और अतिथि अधिक समय बिताते हैं।

1. इसे उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में बनाना सबसे शुभ माना जाता है।
2. हल्के रंग, जैसे सफेद, हल्का हरा या हल्का नीला शांति और सकारात्मकता लाते हैं।
3. बैठने की व्यवस्था ऐसी हो कि परिवार के मुखिया का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर हो।
4. गोल या अंडाकार टेबल का इस्तेमाल संबंधों में सौहार्द बढ़ाता है।

5. ताजे फूल और प्राकृतिक पौधे रखने से घर में सुख-समृद्धि आती है।

रसोई : सेहत और समृद्धि की प्रतीक रसोई घर की समृद्धि और सेहत का केंद्र होती है। इसे वास्तु के अनुसार व्यवस्थित करना आवश्यक है।

1. दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोण) में स्थित रसोई सबसे शुभ मानी जाती है।
2. खाना पकाने वाले व्यक्ति का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।
3. काले और गहरे रंगों से बचें; हल्के पीले, नारंगी और हल्के गुलाबी रंग अधिक शुभ माने जाते हैं।
4. पानी की निकासी (सिंक) और गैस चूल्हे को दूर रखें, क्योंकि अग्नि और जल का टकराव नकारात्मकता बढ़ा सकता है।

बैडरूम : शांति और स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बैडरूम में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए सही दिशा और सजावट जरूरी है।

1. बैडरूम को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना सबसे शुभ माना जाता है।
2. सोते समय सिर दक्षिण दिशा में और पैर उत्तर दिशा में होने चाहिएं, इससे सेहत बेहतर रहती है।
3. हल्के गुलाबी, हल्का नीला या हल्का हरा रंग मानसिक शांति प्रदान करता है।
4. बैड के सामने दर्पण (मिरर) नहीं होना चाहिए, यह नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकता है।
5. इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों को बैड से दूर रखें, क्योंकि इससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

अध्ययन कक्ष : जीवन में एकाग्रता और सफलता के लिए बच्चों अध्ययन कक्ष की सही दिशा और उसमें रंग महत्वपूर्ण है।

1. अध्ययन कक्ष उत्तर-पूर्व, उत्तर या पूर्व दिशा में शुभ माना जाता है।
2. स्टडी टेबल इस तरह रखें कि पढ़ने वाले का मुख पूर्व या उत्तर दिशा में हो।
3. हल्के रंगों, जैसे सफेद, हल्का हरा या हल्का पीला का इस्तेमाल करें, जो एकाग्रता को बढ़ाते हैं।
4. अध्ययन कक्ष में भगवान, सरस्वती माता या प्रेरणादायक व्यक्तियों की तस्वीरें लगाना शुभ होता है।

MAHARISHI DADHICHI SECONDARY SCHOOL

बुद्धि विनय त्याग

Chitrakoot Nagar Bhuwana,

26th Year Started Established in 2000

Best Board Result

- ☑ All Round Development of Students.
- ☑ Extra curricular activities like Yoga and Zumba and Dance.
- ☑ Extra classes for weak students.

चेहरे पर चमक लाए मुल्तानी मिट्टी

उर्वशी नागदा

मुल्तानी मिट्टी में कई प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद हैं। इसमें मौजूद सिलिका, आयरन ऑक्साइड और अन्य मिनरल्स त्वचा के पोर्स को साफ करने में मदद करते हैं। इसके अलावा मुल्तानी मिट्टी त्वचा को टोन करने,गहरे दाग-धब्बों को हल्का करने और अतिरिक्त तेल अवशोषित करने का काम करती है।

मुल्तानी मिट्टी एक प्रभावी और किफायती स्किनकेयर उत्पाद है, जो चेहरे की त्वचा को निखारने के लिए उपयोगी है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी त्वचा ग्लो करे और हर समय ताजगी महसूस हो, तो इन प्राकृतिक चीजों के साथ मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करें। यह मिश्रण न केवल त्वचा की सफाई करता है, बल्कि उसमें एक नया जीवन और चमक भी लाता है। मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल प्राचीन काल से ही होता आ रहा है और यह आज भी त्वचा की कई तरह की समस्याओं के लिए एक अद्भुत उपाय मानी जाती है। इस लेख में हम जानेंगे कि मुल्तानी मिट्टी में किन तीन चीजों को मिलाकर आप अपने चेहरे का निखार बढ़ा सकती हैं।

मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल

गुलाबजल त्वचा को ठंडक पहुंचाने और उसे सुकून देने का काम करता है। जब इसे मुल्तानी मिट्टी में मिलाया जाता है, तो वह मिश्रण त्वचा की गहराई से सफाई करता है। गुलाब जल में एंटी एंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा को नमी और पोषण प्रदान करते हैं। मुल्तानी मिट्टी के साथ मिलाकर यह मिश्रण त्वचा से अतिरिक्त तेल को अवशोषित करता है, जिससे मुंहासे और पिंपल्स की समस्या कम होती है।

कैसे करें इस्तेमाल: 1-2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें। उसमें 1-2 चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर अच्छे से लगाएं और सूखने तक छोड़ दें। फिर चेहरे को ताजे पानी से धो लें। यह उपाय चेहरे की गहराई से सफाई और त्वचा की ताजगी प्रदान करता है।

मुल्तानी मिट्टी और हल्दी

हल्दी में त्वचा के लिए कई गुणकारी तत्व होते हैं। यह एंटीबैक्टीरियल, एंटी इंफ्लेमेंटरी और एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होती है, जो त्वचा को स्वस्थ बनाते हैं। हल्दी का नियमित रूप से इस्तेमाल त्वचा को निखारने, दाग-धब्बों को हटाने और चेहरे की चमक को बढ़ाने में मदद करता है। जब मुल्तानी मिट्टी और हल्दी को एक साथ मिलाया जाता है, तो यह मिश्रण त्वचा को टोन करता हैऔर उसे अतिरिक्त निखार प्रदान करता है।

कैसे करें इस्तेमाल: चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें। उसमें 1/4 चम्मच हल्दी मिलाएं। पानी या गुलाब जल के साथ इस मिश्रण का गाढ़ा पेस्ट बना लें। पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। यह मिश्रण त्वचा को निखारने और उसे मुलायम बनाने में मदद करता है।

मुल्तानी मिट्टी और शहद

शहद प्राकृतिक रूप से एंटीबैक्टीरियल और हाइड्रेटिंग होता है, जो त्वचा को गहरी नमी प्रदान करता है। यह त्वचा को मॉइस्चराइज करने के साथ-साथ उसकी झुर्रियों को भी कम करता है। मुल्तानी मिट्टी में शहद मिलाकर चेहरे पर लगाने से यह मिश्रण त्वचा को ग्लोइंग बनाता है और उसमें निखार लाता है। शहद से त्वचा में कसाव आता है और त्वचा को सॉफ्ट और स्मूद बनाने में मदद मिलती है।

कैसे करें इस्तेमाल: 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें। उसमें 1 चम्मच शहद मिलाएं। थोड़ी मात्रा में पानी या गुलाबजल डालकर पेस्ट बना लें। पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट के बाद धो लें। यह मिश्रण चेहरे को हाइड्रेट करता और उसे चमकदार बनाता है।

St. Jyoti Ba Phule Public Sr. Sec. School

(English Medium & Co-Educational)
Affiliated to RBSE

Class : Play Group &
Nursery to XII

Facilities:-

Bus, Play Ground, Indore & Outdoor Games

Highway Bypass, Opp. Fire Brigade Center, Po. Purohiton Ki Madri, Udaipur (Raj.) Mob. 6350421849, 9772740999

Admission Open

Gurukul College of Pharmacy

Affiliated by RUHS

प्रवेश योग्यता : 10 + 2 विज्ञान संकाय (Maths or Biology)

Village Budhal, Post Vali, Teh. Kurabad, Udaipur, Mob. 7230066877, 9772740999

प्रत्यूष

मुरब्बे ठंडी तासीर वाले

**स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मौसमी फल-सब्जियों को जहां हम अपने दैनिक आहार में शामिल करते हैं वहीं खाद्य संरक्षण या फूड प्रिजर्वेशन के कई तरीकों से इन्हें संरक्षित भी कर लेते हैं और लम्बे समय तक इनका स्वाद लेते रहते हैं। फल-सब्जियों से बने मुरब्बे इनमें से एक हैं, जिन्हें हम अक्सर मिठाई के तौर पर भी खाते हैं। इनमें से अनेक मुरब्बे गर्मी की मार से बचाने में भी काफी कारगर होते हैं। इनके बारे में बता रही हैं *रजनी अरोड़ा*

पोषक तत्वों और एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर मुरब्बे स्वास्थ्य के लिए ही फायदेमंद ही नहीं, खूबसूरती बढ़ाने में भी सहायक है। ये शरीर को एनर्जी देने के साथ-साथ इम्यूनिटी बूस्टर का भी काम करते हैं। आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा में तो इन्हें दवा की तरह इस्तेमाल किया जाता है। ठंडी तासीर के लिए इन मुरब्बों का इस्तेमाल गर्मी के मौसम में कई बीमारियों को दूर रखने में सहायक हैं।

आंवला मुरब्बा

आंवला विटामिन सी, अमीनो एसिड, लिपिड और तांबा, जस्ता जैसे मिनरल्स का भंडार है। इसके नियमित सेवन से पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम मजबूत होते हैं। यह फेफड़ों को मजबूती देता है। इसके इस्तेमाल से सांस संबंधी संक्रामक बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है। यह एंटी ऑक्सीडेंट गुणों के कारण हृदय, लीवर संबंधी बीमारियों की रोकथाम में लाभदायक है। आंवले के मुरब्बे में मौजूद विटामिन सी शरीर में कैल्शियम और आयरन के अवशोषण को बढ़ावा देता है। इससे सर्दी-जुकाम और कफ में आराम मिलता है और हड्डियां, दांत, नाखून और बाल मजबूत और स्वस्थ होते हैं। इसके इस्तेमाल से कोलेजन फाइबर के गठन में मदद मिलती है, जो जोड़ों के दर्द में आराम पहुंचाता है। यह पाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने में सहायक और पेट दर्द, अम्लता, कब्ज या पेट में गैस, उल्टी, सिरदर्द जैसी पेट संबंधी समस्याओं में फायदेमंद है। यह एक रासायनिक टॉनिक है, जिससे बच्चों की याददाश्त और एकाग्रता बढ़ती है। यह गर्भवती महिलाओं में खून की कमी को दूर करता है। बाल झड़ने, असमय सफेद होने जैसी समस्याओं में मुरब्बे

का सेवन काफी कारगर है। इससे कफ और पित्त में आराम मिलता है।

गाजर का मुरब्बा

एंटी ऑक्सीडेंट तत्वों से भरपूर गाजर के मुरब्बे के नियमित सेवन से हाई ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम रहता है। यह लंबी बीमारी के बाद शरीर को तंदुरूस्त बनाने में सहायक साबित होता है। शरीर में आयरन की पूर्ति कर खून की कमी को पूरा करता है और स्फूर्ति प्रदान करता है। शीतल प्रभाव के कारण गाजर का मुरब्बा पेट की जलन, दर्द, भूख न लगने जैसी पेट की तकलीफों में भी आराम पहुंचाता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटीन और विटामिन ए जैसे पोषक तत्व कैंसर और रतौंधी को रोकने में मदद करते हैं। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक है। बीटा कैरोटीन सूरज की यूवी किरणों से त्वचा को होने वाले नुकसान को कम करता है।

केरी का मुरब्बा

फिनोलिक नामक एंटीऑक्सीडेंट गुण से भरपूर कच्चे आम का मुरब्बा शरीर में रोग-प्रतिरोधक क्षमता के विकास में सहायक है। यह अम्लता और पाचन प्रणाली में गड़बड़ी के इलाज में मदद करता है। बैक्टीरियल संक्रमण, कब्ज, दस्त, पेचिश की स्थिति में इस मुरब्बे के सेवन से आराम मिलता है। इसमें मौजूद विटामिन ए, बीटा कैरोटीन, विटामिन ई और सेलेनियम हृदय रोग के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह नेत्र विकारों के इलाज में भी मददगार है। इसमें आयरन तत्व काफी मात्रा में मिलते हैं। इसके सेवन से शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर नियंत्रित रहता है। यह एनीमिया से पीड़ित व्यक्ति और गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद है कैलरी और कार्बोहाइड्रेट की अधिकता वाला आम का मुरब्बा वजन बढ़ाने और शरीर को तंदुरूस्त रखने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए फायदेमंद है। यह एनर्जी बूस्टर का काम करता है।

हरड़ का मुरब्बा

हरड़ के मुरब्बे के नियमित सेवन से चोट या घाव होने पर जल्द आराम मिलता है। यह सूजन को कम करता है। यह भूख न लगने, पेट में कीड़ होने और पाचन संबंधी समस्याओं में राहत दिलाता है। जठरांत्र रोगों, ट्यूमर, बवासीर, मूत्र विकारों और मूत्राशय की पथरी में हरड़ के मुरब्बे का सेवन काफी लाभदायक होता है। मुरब्बे को गुड़ के साथ सेवन करने पर गठिया में सुधार हो सकता है।

बेल का मुरब्बा

बेल में मौजूद टेनिन और रेचक गुण पेचिश, हेजा, डायरिया जैसी स्थितियों में प्रभावकारी है। विटामिन और खनिज तत्वों से समृद्ध इस मुरब्बे का नियमित सेवन पेट के रोगों के खिलाफ लड़ने में प्रभावी भूमिका अदा करता है व पाचन तंत्र को मजबूत करता है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

॥ श्री कृष्णा ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ हनुमन्ते नमः ॥

बीकानेर मावा भण्डार

BMB

घीदार मावा एवं मीठा मावा के विक्रेता

शादी पार्टी में मावा के आर्डर बुक किए जाते हैं।

4, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी स्कूल मार्ग, उदयपुर (राज.)

Mobile - 9468704600, 9782704600

हैड ऑफिस :- डी.एस. बीकानेर

एआइ में नौकरियां बेशुमार

सूचना क्रांति के इस दौर में कृत्रिम बुद्धिमता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ) ने दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है। हमारे जीवन का ऐसा कोई पहलू बाकी नहीं रह गया है जो एआइ के प्रभाव से अछूता है। रोजगार पर इसके प्रभावों की चर्चा सर्वाधिक है।

अविनाश चन्द्रा

एआइ रोजगार को बदल रहा है, रोजगार करने के तौर तरीकों को बदल रहा है। साथ ही नियमित कार्यों को स्वचालित भी कर रहा है। वर्ष 2030 तक देश में दो से पांच करोड़ नई नौकरियां पैदा होने की उम्मीद की जा रही है, तो यहां कई क्षेत्रों के नौकरियों के समाप्त होने की भी आशंका है। भारत जैसे मानवीय श्रम की अधिकता वाले देशों में एआइ के बढ़ते प्रयोग से ऐसे क्षेत्रों में रोजगार समाप्त होने की संभावना है, जहां श्रम के माध्यम से दोहराव वाले कार्य किए जाते हैं। इसके अलावा ग्राहक सेवा वाले क्षेत्र से भी नौकरियों के समाप्त हाने का डर है, जहां देश का एक बड़ा वर्ग कार्यरत है। साथ ही उपभोक्ता डेटा तक बिना अनुमति पहुंच और उस डेटा की गोपनीयता का बड़ा खतरा है।

क्या है कृत्रिम बुद्धिमता

सरल शब्दों में कहे तो कृत्रिम बुद्धिमता वह अवस्था है जब कम्प्यूटर या मशीनें ऐसे कार्यों को करना सीख लेती हैं, जिन्हे करने के लिए मानवीय बुद्धिमता की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर गतिविधियों का पूर्वानुमान लगाना, योजना बनाना, सीखना और समस्याओं का समाधान करना।

कृत्रिम बुद्धिमता के लाभ

एआइ का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे मानवीय त्रुटि की संभावना कम हो जाती है, जिससे लागत और समय दोनों की बचत होती है। इसके अलावा एआइ की मदद से चौबीसों घंटे काम को जारी रखा जा सकता है

अल्प अवधि ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए स्नातक होने भर से काम चल जाता है। कई सारे प्लेटफॉर्म भौतिक, रसायन और गणित के साथ 12वीं पास छात्रों को भी प्रशिक्षण देते हैं। लेकिन पूर्णकालिक डिग्री और परास्नातक कोर्स के लिए संस्थान द्वारा निर्धारित योग्यताओं को पूरा करना जरूरी है।

उपलब्ध कोर्स

ऑनलाइन अल्प अवधि प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

- एडवांस सर्टिफिकेशन प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- एडवांस प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग

ऑफलाइन पूर्णकालिक पाठ्यक्रम

- बीसीए इन प्रोग्रामिंग एंड डेटा साइंस
- बीटेक इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग
- एमसीए इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग

जबकि इंसानों को काम करने के बीच एक निश्चित समय के अंतराल पर विश्राम की जरूरत पड़ती है। एआइ पूर्वाग्रह, पक्षपात और भेदभाव आदि से इतर अपने प्रोग्रामिंग के आधार पर कार्य को अंजाम देती है। इसके अलावा इंसानों के लिए नीरस, थकाऊ, खतरनाक और अरूचिकर कार्यों को भी एआइ की मदद से पूरा किया जा सकता है। इससे इंसानी सृजनात्मकता को अन्य क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शोध व अन्य रचनात्मक कार्यों की ओर शिफ्ट कर अधिकतम लाभ हासिल किया जा सकता है। इसलिए एआइ को प्रतिस्पर्धी मानने की बजाय यदि इस पर दक्षता प्राप्त कर ली जाए तो न केवल नौकरियों के जाने के खतरे से निबटा जा सकता है बल्कि काम को बेहतर तरीके से अंजाम दिया जा सकता है।

वेतन

एआइ विशेषज्ञ की नौकरी के दौरान आरंभिक स्तर पर 5 से 20 लाख रुपए प्रतिवर्ष की आय प्राप्त हो सकती है। अनुभव बढ़ने के साथ ही खुद को नए ट्रेंड से अपडेट रखने पर आय की असीमित संभावनाएं है।

युद्ध क्षेत्रे

पश्चिम एशिया संघर्ष बदल सकता है बाजारों की चाल

पश्चिम एशिया में एक बार फिर युद्ध के बादल हैं। इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों के बाद ईरान ने भी जिस तरह से जवाब दिया है उससे मध्य पूर्व में अशांति बढ़ गई है। इस टकराव ने वैश्विक बाजारों को हिला दिया, हवाई यात्राएं ठप हो गईं और तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। यह संघर्ष न केवल क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था, कूटनीति और भारत जैसे देशों के लिए गंभीर चुनौतियां हैं। इस संघर्ष का सबसे तात्कालिक विपरीत असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ा है। ईरान द्वारा होर्मूज की खाड़ी को बंद करने की आशंका ने तेल की कीमतों को आसमान छूने पर मजबूर कर दिया। भारत अपनी तेल जरूरतों का 85 फीसदी सऊदी अरब, इराक और यूएई से आयात करता है। तेल की बढ़ती कीमतें भारत में महंगाई को बढ़ा सकती हैं, जिसका असर परिवहन, विनिर्माण और रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ेगा। भारतीय रुपए पर भी दबाव बढ़ेगा। हवाई यात्रा पर असर भी गंभीर है। इजरायल और ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए, जिसके कारण एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित हुईं। जॉर्डन ने भी अपना हवाई क्षेत्र बंद किया, जिससे मध्य पूर्व से गुजरेने वाले वैश्विक हवाई मार्ग बाधित हुए। यह भारत जैसे देशों के लिए चुनौती है, जहां मध्य पूर्व में लाखों प्रवासी काम करते हैं। इन प्रवासियों की सुरक्षा की चिंता भी बढ़ रही है। अमरीका और रूस का रुख इस युद्ध में निर्णायक होगा।

Om Prakash Kumawat
Director, 9057530670

॥श्री॥

Pankaj Kumawat
Director, 9001010330

Shree Ultra Light
AAC Block

Block Size

- 24x8x4
- 24x8x6
- 24x8x8
- 24x8x9

Office - 999, Near Gopal Kirana Store, R.K. Circle, Pulla, Udai pur (Raj.)
Factory - Basaliya, Iswal

प्रत्यूष

प्रोटीन भरा पनीर

पनीर बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आता है। इसके कुछ नए स्वाद बनाने हैं तो कभी सब्जियों के साथ पनीर का इस तरह का भी उपयोग करें।

आशा माथुर

स्पेशल पालक पनीर

सामग्री: पालक के पत्ते 250 ग्राम, पनीर मसला हुआ 100 ग्राम, लहसुन की कलियां बारीक कटी हुई 5–6, अदरक खूब बारीक कटा हुआ–एक इंच, टमेटो–चिली सॉस–2 बड़े चम्मच, सोया सॉस–एक छोटा चम्मच, सिरका या नींबू का रस एक बड़ा चम्मच, नमक स्वादानुसार, कालीमिर्च पाउडर–1/2 छोटा चम्मच, चीनी –1/4 छोटा चम्मच, तेल एक छोटा चम्मच, सजाने के लिए रोस्टेड तिल।

यूं बनाएं: पालक के पत्तो ंको उबलते पानी में 2 मिनट के लिए ब्लांच करें। ठंडा होने पर बारीक काट लें। कड़ाही में तेल गरम करें। आंच मंदी करके कटा लहसुन डालकर हल्का सा पकाएं। साथ ही कटा अदरक डालकर हल्का गुलाबी करें। सारे मसाले व सॉस एक कटोरी में डालकर मिलाएं। इसमें दो बड़े चम्मच पानी डालकर मिश्रण तैयार करें। इसे तेल में डालकर एक मिनट चलाएं और पालक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। रोस्टेड तिल डालें व पनीर भुरभुरा करके डाल दें। स्पेशल पालक पनीर तैयार है।

पनीर खीरा सैंडविच

क्या चाहिए: ब्रेड स्लाइस 4, खीरा 1 पतली स्लाइस में कटा हुआ, चाट मसाला स्वादानुसार।

स्प्रेड के लिए: पनीर 100 ग्राम मसला हुआ, गाढ़ा दही 1/4 कप, कीसी या कटी हुई चीज स्लाइस 1 (वैकल्पिक), नमक, काली मिर्च 1/4 कप छोटा चम्मच, हरा धनिया 1 बड़ा चम्मच, पुदीना 1 बड़ा चम्मच।

ऐसे बनाएं: पनीर, दही, चीज, नमक और काली मिर्च मिलाकर स्प्रेड तैयार कर लें। इसमें बारीक कटा धनिया और पुदीना मिलाएं। अब ब्रेड स्लाइस पर तैयार किया हुआ स्प्रेड लगाएं। चाहें तो ब्रेड स्लाइस के किनारे काट भी सकते हैं। स्प्रेड के ऊपर पतले कटे खीरे की परत लगाएं और ऊपर से हल्का सा चाट मसाला छिड़क दें। फिर दूसरी ब्रेड स्लाइस इस पर रख दें। सैंडविच को तिरछा या चौकोर आकार में दो हिस्सों में काट लें। सैंडविच तैयार हो गया।

दम पनीर कालीमिर्च

सामग्री: पनीर–150 ग्राम, प्याज कटा हुआ 1/2 प्याला, अदरक–लहसुन–हरीमिर्च पेस्ट 2 बड़े चम्मच, दही ताजा–1/2 प्याला, क्रीम–1/3 प्याला, साबुत गरम मसाला–एक बड़ा चम्मच, काली मिर्च ताजी कुटी हुई–एकसे डेढ़ चम्मच, धनिया–जीरा पाउडर एक बड़ा चम्मच, देशी घी 2 बड़े चम्मच, नमक स्वादानुसार

यूं बनाएं: पनीर को मनपसंद बड़े टुकड़ों में काटकर रख लें। प्याज को पानी में 3–4 मिनट उबालकर पीस लें। पैन में घी गरम करें व खड़े मसाले डाल दें। धनिया–जीरा पाउडर डालकर चलाएं व प्याज का पेस्ट डाल दें। दो–तीन मिनट भूनकर फेंटा हुआ दही डालकर अच्छी तरह भूनें। स्वादानुसार नमक व कालीमिर्च मिलाएं। पनीर के टुकड़ें डालें। ऊपर से क्रीम डालकर इसे एक हांडीनुमा बर्तन में पलट लें। इस पर एल्यूमिनियम फॉइल लगाकर ढक्कन लगा दें। हांडी एकदम सील हो जानी चाहिए। सील करने में गूंथे आटे को भी काम में ले सकती हैं। इसे ओवन में 170 सेंटीग्रेट पर 15 मिनट के लिए रखें या मंदी आंच पर तवा रखकर रखें। जब परोसना हो, तभी सील खोलें। दम का पनीर तैयार है।

पनीर-अनार कोफ्ता

सामग्री: पनीर ताजा–100 ग्राम, अनार के दाने 1/3 प्याला, सूजी 2 से 3 बड़े चम्मच, चाट मसाला 1/4 छोटा चम्मच

ग्रेवी के लिए: काजू टुकड़ी 2 बड़े चम्मच, खसखस एक बड़ा चम्मच, दही ताजा 1/2 प्याला, साबुत गरम मसाला एक बड़ा चम्मच, सफेद मिर्च 8 से 10 दाने, नमक स्वादानुसार, कॉर्न फ्लोर या चावल का आटा एक छोटा चम्मच।

यूं बनाएं: पनीर में सूजी व नमक डालकर खूब चिकना होने तक मसलें। बराबर भागों में बांटकर गोले बनाएं। अनार में चाट मसाला मिला लें। प्रत्येक गोले में थोड़ा–थोड़ा अनारदाना भर दें। इसी प्रकार सारे कोफ्ते तैयार कर लें। इन्हीं स्टीमर में 8 से 10 मिनट के लिए भांप देकर तैयार कर लें। ग्रेवी के लिए काजू टुकड़ी व खसखस को दो घंटे भिगोकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बची सामग्री में मिलाकर एकसार कर लें। इसे पैन में पकने रखें। मंदी आंच पर दस मिनट पकाकर छान लें। प्लेट में ग्रेवी रखकर कोफ्ता रखकर सर्व करें।

लबाबदार पनीर रोल

सामग्री : पनीर के 4 इंच गुणा 4 इंच के पतले टुकड़े–4,मसला हुआ पनीर 2 बड़े चम्मच, मनपसंद मेवे खूब बारीक कटे 2 बड़े चम्मच, केसर 4–5 धागे, एक चम्मच दूध में भिगोइ हुई, चाट मसाला 2 चुटकी, कॉर्न फ्लोर 2 बड़े चम्मच।

ग्रेवी के लिए : दूध एक बड़ा प्याला, प्याज एक बड़ा, अदरक–लहसुन पेस्ट 2 बड़े चम्मच, काजू–मगज पेस्ट 2 बड़े चम्मच, गरम मसाला पाउडर एक छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाडउर एक छोटा चम्मच, कश्मीरी लालमिर्च पाउडर एक छोटा चम्मच, हल्दी 1/2 छोटा चम्मच, धनिया–जीरा पाउडर 2 बड़े चम्मच, नमक स्वादानुसार,मक्खन 3 बड़े चम्मच, तेल–बड़े चम्मच।

यू बनाएं : मसला हुआ पनीर, मेवा, चाट मसाला व केसर का दूध मिलाएं। इसे चार भागों में बांट लें। इसे प्रत्येक पनीर स्ट्रिप पर रखकर रोल कर दें। कॉर्न फ्लोर में डस्ट करें। तवे पर थोड़ा मक्खन डालकर हल्का गुलाबी होने तक सेक लें। चारों ओर से सिक जाने पर दो टुकड़ों में काट लें। प्याज का पेस्ट तैयार करें। पेन में मक्खन व तेल मिलाकर गरम करें व प्याज का पेस्ट डालकर भूनें। अदरक–लहसुन का पेस्ट डालकर खूब भूनें। अब सारे मसाले डालकर एक–दो मिनट चलाएं व काजू मगज पेस्ट डाल दें। खूब भूनें। दूध डालकर ग्रेवी को एक मिनट पकाकर रोल डालकर ढक्कन लगा दें। पांच मिनट बाद आंच बंद कर दें। हरा धनिया छिड़कें।

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष (बहुरंगी हिन्दी मासिक)

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

आत्मविश्वास में कमी का अनुभव, ठहराव की स्थिति से आय में वृद्धि पर रोक, यात्राओं की अधिकता परंतु लाभ में न्यूनता, सहकर्मियों से विवाद, पारिवारिक स्थितियां भी प्रतिकूल रहेंगी, संदेह की प्रवृत्ति पर लगाम लगावें, वित्तीय प्रबंधन अव्यवस्थित, स्वास्थ्य सामान्य।

वृषभ

स्वास्थ्य, करियर, धन एवं प्रेम संबंधों में सकारात्मक बदलाव संभव। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह माह अनुकूल है, पुरानी बीमारियों का प्रभाव घटेगा। करियर में उन्नति के अवसर मिलेंगे, और वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, आय में वृद्धि के नये अवसर मिलेंगे।

मिथुन

यात्राएं एवं सामाजिक गतिविधियां अनुकूल रहेंगी, यह माह करियर एवं व्यक्तिगत संबंधों में सुधार के लिए अच्छा है। कार्य में ऊर्जावान और स्फूर्त महसूस करेंगे, नये संबंध बनेंगे, कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, दृढ़ता एवं परिपक्वता से उचित समाधान भी कर लेंगे।

कर्क

स्वास्थ्य उत्तम वित्तीय उन्नति के अवसर, ज्ञान एवं आध्यात्मिक क्षेत्र के प्रतिभाशाली लोगों से सम्पर्क होंगे। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, सहकर्मियों के साथ मतभेद संभव, भाग्य से असंतुष्टि परिवार में विवाद, अपना दृष्टिकोण सही ठहराने में सफलता मिलेगी।

सिंह

यह माह मिश्रित फलदायी रहेगा, कुछ क्षेत्रों में सफलता और प्रगति के साथ कुछ चुनौतियों का भी सामना करना होगा, परिवार एवं रिश्तो में सामंजस्य और प्रेम बनाए रखने का पूर्ण प्रयास करें, व्यवसायिक लक्ष्यों पर ध्यान केन्द्रित कर नये अवसरों की तलाश करें, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या

व्यापार को आगे बढ़ाने और महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय अनुकूल, सफलता और प्रगति के साथ–साथ कुछ चुनौतियों भी रहेगी, संवेदनशीलता और समझदारी से काम करना ही महत्वपूर्ण रहेगा, ह्दय रोगी विशेष ध्यान रखें, लम्बित मामलों में शासन का सहयोग मिलेगा।

तुला

व्यवसाय में उन्नति, नई योजनाओं की शुरूआत, कार्यों में रचनात्मक बदलाव, सहयोगियों का साथ मिलेगा। पारिवारिक जीवन में खुशहाली और शांति रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, दिनचर्या व्यवस्थित रखें, नया सीखने एवं ज्ञान वृद्धि के लिए उपयुक्त समय है। सकारात्मकता बनाए रखें।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 जुलाई	आषाढ शुक्ल षष्ठी	डॉक्टर्स डे / साईं तेऊँराम जयंती
6 जुलाई	आषाढ शुक्ल एकादशी	पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती /मुहर्रम/चातुर्मास प्रारंभ
10 जुलाई	आषाढ शुक्ल पूर्णिमा	गुरू पूर्णिमा
11 जुलाई	श्रावण कृष्ण प्रतिपदा	कांवड यात्रा प्रारंभ
12 जुलाई	श्रावण कृष्ण द्वितीया	हिण्डोला प्रारंभ
20 जुलाई	श्रावण कृष्ण दशमी	श्री नाथ जी हांडी उत्सव
23 जुलाई	श्रावण कृष्ण चर्तुदशी	बाल गंगाधर तिलक जयंती / चन्द्रशेखर आजाद जयंती
24 जुलाई	श्रावणी अमावस्या	हरियाली अमावस्या
26 जुलाई	श्रावण शुक्ल द्वितीया	सिंजारा / कारगिल विजय दिवस
27 जुलाई	श्रावण शुक्ल तृतीया	हरियाली झूला तीज
29 जुलाई	श्रावण शुक्ल पंचमी	नाग पंचमी
31 जुलाई	श्रावण शुक्ल सप्तमी	मुंशी प्रेमचंद जयंती / गोस्वामी तुलसीदास जयंती

वृश्चिक

माह का पूवार्ध प्रतिकूल रहेगा, लेकिन उत्तरार्ध में सकारात्मकता बढ़ेगी एवं भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य में राहत का अनुभव, फिर भी सावधानी बरतें। कार्य क्षेत्र में कुछ कठिनाइयां आ सकती हैं, लेकिन कड़ी मेहनत का फल अवश्य मिलेगा। पारिवारिक जीवन में उतार–चढ़ाव रहेगा।

धनु

स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, कार्य क्षेत्र में नये अवसर प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी से बचने और सावधानी से निर्णय लेने की आवश्यकता है। अपनों से संवाद में सावधानी बरतें, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता पर पूर्ण भरोसा रखें, खानपान पर विशेष ध्यान रखें, लिवर से जुड़ी समस्याओं से सचेत रहें।

मकर

स्वास्थ्य संतोष जनक नहीं रहेगा, पाचन संबंधित समस्याएं परेशान कर सकती हैं। कार्य स्थल पर भी कुछ बदलाव हो सकते हैं, आय में वृद्धि की संभावनाएं, यात्राओं के परिणाम प्रतिकूल रहेंगे, समय एवं संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सक्षम होंगे, पारिवारिक संतुलन बना रहेगा।

कुम्भ

कार्य क्षेत्र में सावधानी से निर्णय लें, नये निवेश या साझेदारी में बुद्धिमता पूर्ण एवं वरिष्ठजनो से परामर्श लेकर काम करें, तथा नये अवसरों का लाभ उठाने को तत्पर रहें। स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव का अनुभव करेंगे, पारिवारिक संबंधों में अनुकूलता रहेगी, यात्रा से लाभ नहीं।

मीन

कार्य क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन से आपके कार्यों को मान्यता मिलेगी। धन का लाभ भी होगा, पुरानी व्याधियों में कोई एक चिंता का विषय बनेगी। आपके प्रयासों को कड़ा प्रतिरोध मिलेगा, एक अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती है। बंधु–बांधवों के साथ तनाव, खर्च नियंत्रण से बाहर होगा।

महेश महोत्सव पर रंगारंग आयोजन

कवि सम्मेलन में कवि को सम्मानित करते अतिथि तथा महाआरती में मौजूद समाज की महिलाएं।

उदयपुर। महेश नवमी पर नगर एवं हिरण मगरी उपनगर क्षेत्र में माहेश्वरी समाज द्वारा शोभायात्राओं, खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। माहेश्वरी पंचायत हिरण मगरी ओर से सेक्टर 4 में समाज के सदस्यों ने आउटडोर और इंडोर गेम्स में उत्साह दिखाया। शाम को आयोजित सांस्कृतिक संध्या में देर रात तक भजनों की रसधार बही। माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष रमेश पोरवाल ने बताया कि सुबह क्रिकेट प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में 26 टीमों ने भाग लिया। विजेताओं को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। महेश सेवा समिति में इंडोर गेम्स का आयोजन किया गया। उद्घाटन कौशल्या गट्टानी ने किया। अध्यक्षता प्रमोद राठी ने की। विशिष्ट अतिथि हरीश कुमार, ओमप्रकाश जागेटिया थे। युवा संगठन उदयपुर की ओर से महेश नवमी महोत्सव पर सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित लाफ्टर नाइट में हँसी और ठहाकों की बौछार रही। कवियों ने अपनी हास्य-व्यंग्य से भरपूर रचनाओं के जरिए राजनेताओं की चुटीली खिंचाई की तो कभी प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा भी सुनाई दी। माहेश्वरी महिला गौरव की सदस्याओं द्वारा ओरियंटल पैलेस रिसोर्ट में गीत-संगीत एवं काव्यधारा कार्यक्रम हुए। संरक्षक कौशल्या गट्टानी, अध्यक्ष आशा नरानीवाला रेखा देवपुरा, सरिता न्याती, निर्मला काबरा सहित अनेक सदस्याओं ने इसमें अपनी प्रस्तुतियां दीं।

संयोजकः गजेन्द्र मूंदड़ा, प्रभात अजमेरा

माहेश्वरी प्रीमियर लीग में उपस्थित अतिथि जमनेश धुप्पड़, गोपाल गदिया, जानकीलाल मूंदड़ा और बीएल बाहेती।

महेश नवमी पर आयोजित शोभायात्रा में शामिल अध्यक्ष गजेन्द्र मूंदड़ा और सचिव प्रभात अजमेरा तथा पारस सिंघवी के साथ उपस्थित समाजजन।

कार्यक्रम में उपस्थित समाजजन।

अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह

उदयपुर। पिछले दिनों यहां पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के तत्वावधान में अग्रवाल गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायधीश विनीत माथुर थे। अध्यक्षता पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष के.के. गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि जेपी अग्रवाल (गीतांजली ग्रुप) भीलवाड़ा, सौरभ खेतान, राहुल अग्रवाल, शशिकांत खेतान, गोविंद अग्रवाल, नटवर खेतान रहे। इस अवसर पर के.के. गुप्ता की पुस्तक 'प्रयास से परिणाम तक' का विमोचन भी किया गया। यह पुस्तक स्वच्छता, पर्यावरण सुरक्षा, जल संचयन एवं जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर आधारित है। नगर निगम के सुखाड़िया रंगमंच पर प्रथम सत्र में अग्रवाल समाज के होनहार चयनित 19 न्यायिक मजिस्ट्रेट का सम्मान तथा शहर के प्रतिष्ठित सम्मानित व्यक्तियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सेशन में पूर्व प्रदेश महामंत्री स्व. राकेश अग्रवाल एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष स्व. राम गोपाल अग्रवाल को अग्रवाल राजस्थान रत्न से नवाजा गया।इसके अलावा पर्यावरण क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यों पर मुकेश जैन (णमोकार) व मुख्य वन संरक्षक आर.के. जैन, ब्लड कलेक्शन पर रमेश सोनार्थी, समाजसेवा पर माणक अग्रवाल, सुरेश मित्तल व अनिल नाहर, स्वच्छता के लिए नरेश शर्मा (मेवाड़ जनशक्ति दल), झील संरक्षण पर अनिल मेहता, जल संरक्षण व जल संचय पर पी.सी. जैन, पर्यटन के लिए सुदर्शन देव एवं राजेश के अलावा समाज में विशिष्ट कामों के लिए अशोक अग्रवाल का सम्मान किया गया।

सेवा और सम्मान के साथ गीतांजली में नर्सिंग दिवस

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि गीतांजली के संस्थापक जे.पी अग्रवाल एवं वाइस चांसलर डॉक्टर राकेश व्यास रहे। स्टाफ और छात्रों ने रंग बिरंगी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। नर्सेज ने स्किट के माध्यम से नर्स के जीवन में एक जिंदगी कितना मायने रखती हैं का अद्भुत चित्रांकन किया। जे पी अग्रवाल ने अपने भाषण में कहा कि सफल जीवन के लिए अनुशासन, दृढ़ निश्चय और कठिन मेहनत अत्यंत आवश्यक है। डॉक्टर राजीव पंड्या प्रबंधक मानव संसाधन ने नर्स के कठिन जीवन को काव्य पाठ के माध्यम से स्पष्ट किया। मानव संसाधन भागीदारी विभाग (एच.आर.बी.पी) द्वारा एक विशेष वृत्तचित्र प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर सीईओ ऋषि कपूर, सीएफओ रोशन जैन, सीएनओ विजेंद्र सिंह राठौर, गीतांजली यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार मयूर रावल व विभागों के एचओडी, डॉक्टर्स नर्सिंग स्टाफ और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समर फन डे में कॉकलियर इंप्लांट

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ओर से मूक-बधिर बच्चों के जीवन में नई रोशनी और खुशियां लाने के उद्देश्य से समय फन डे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन कॉकलियर इम्प्लांट लाभार्थी बच्चों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया, जिसमें 8 बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने कहा कि कॉकलियर इम्प्लांट कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए 3 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई। हमारा उद्देश्य है कि कोई भी बच्चा सुनने से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर डॉ. एम.एम. मंगल ने कहा कि यह तकनीक उन बच्चों के लिए वरदान है जो जन्म से ही मूक-बधिर होते हैं। यह कार्यक्रम उनकी दुनिया बदलने का माध्यम है।

पीएनबी अंचल प्रबंधक का उदयपुर मंडल दौरा

उदयपुर। पंजाब नेशनल बैंक जयपुर अंचल प्रबंधक राजेश भौमिक उदयपुर के दो दिवसीय दौरे पर रहे। भौमिक एवं उदयपुर प्रमुख रीतेष कुमार पटेल ने सांवलिया सेठ मंदिर मंडफिया में शीतल पेयजल के लिए वाटर कूलर भेंट किया। साथ ही मंदिर परिसर में पौध रोपण किया। अंचल प्रबंधक द्वारा उदयपुर में मिडकॉर्पोरेट सेन्टर एवं पीएनबी लोन पॉइन्ट का दौरा किया गया।

अभिनव को सर्वश्रेष्ठ गाइड का सम्मान

उदयपुर। इंग्लैंड की एक निजी टूरिज्म कंपनी की ओर से उदयपुर के अभिनव पालीवाल को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाइड के रूप में सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम थाईलैंड में हुआ। इस दौरान अभिनव तथा तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के जॉन पास्को को यह पुरस्कार मिला। भारत से ये दो गाइड ही चुने गए। यह सम्मान 40 से अधिक देशों के पर्यटन गाइडों को दिया गया।

उदयपुर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक सर्वश्रेष्ठ घोषित

उदयपुर। फ्रेस्ट इन्फोमीडिया के तत्वावधान में सिनर्जी ऑफ इनोवेशन: शेपिंग दी फ्यूचर ऑफ स्मार्ट को-ऑपरेटिव बैंकिंग फॉर इंक्लूसिव ग्रोथ की थीम पर ऑल इंडिया अरबन को -ऑपरेटिव बैंकिंग समिट एण्ड अवार्ड्स 2025 समारोह मुंबई में आयोजित हुआ। 200 से अधिक बैंकों के प्रतिनिधियों एवं 50 से अधिक विभिन्न क्षेत्रों की कम्पनियों द्वारा स्टाल लगाकर अपने उत्पादों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि सारस्वत बैंक लिमिटेड अध्यक्ष गौतम ठाकुर, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया निदेशक सतीश मराठे, एवं नेफकब अध्यक्ष लक्ष्मी दास थे। समारोह में दी उदयपुर अरबन को.ऑपरेटिव बैंक लि निदेशक आसिफ मसूद शाह और जरीना इकबाल ने भाग लिया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीना बानू मेहमूदा ने बताया कि इस वर्ष देश के कई नागरिक सहकारी बैंकों ने इस अवार्ड के लिए आवेदन किया था। जिसमें नागरिक बैंक श्रेणी में वर्ष 2024-25 के लिए लोन एण्ड एडवांसेज में दी उदयपुर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित कर देश में सर्वश्रेष्ठ नागरिक सहकारी बैंक घोषित किया गया। बैंक अध्यक्ष तौसीफ हुसैन ने बताया कि बैंक द्वारा स्वीकृत गृह ऋण, लघु उद्योग, वाहन ऋण आदि में ऋण की ब्याज दर अन्य बैंकों की तुलना में कम है। बैंकिंग में नई तकनीक का तत्काल प्रयोग करने, नई-नई सुविधाओं को कम लागत में प्रारम्भ करने एवं ग्राहकों को सहज सुलभ उपलब्ध कराने में हर समय तैयार रहता है।

डीपीएस का श्रेष्ठ परिणाम

उदयपुर। पिछले दिनों जारी सीबीएसई परीक्षा परिणामों में डीपीएस के 10वीं और 12वीं के छात्रों ने श्रेष्ठ परिणाम दिया। प्राचार्य संजय नरवरिया ने बताया कि इन परिणामों में विद्यालय की जारा अत्तारी ने सर्वाधिक 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए। कक्षा 12वीं की अवनी दुग्गर ने 99 प्रतिशत के साथ स्कूल टॉप किया। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल का रिजल्ट 100 प्रतिशत रहा। 103 विद्यार्थियों को 90 प्रतिशत से अधिक तथा 306 को विशेष योग्यता तथा 65 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। उन्होंने शाला के प्रो. वाइस चेयरमैन गोविन्द अग्रवाल को धन्यवाद दिया।

300 पौधे लगाने का संकल्प

उदयपुर। महावीर जैन विद्यालय, सेक्टर नं. 4 व महावीर कॉलेज, कीर की चौकी-भीण्डर में पर्यावरण दिवस संस्थान प्रधान डॉ. हिम्मतलाल वया, डॉ. पंकज वया, महाविद्यालय निदेशक डॉ. आशीष वया द्वारा पौधारोपण कर मनाया गया। संस्थान प्रधान द्वारा कॉलेज परिसर में 100 फलदार पौधे लगाने व 200 अन्य पौधे लगाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ, अरूणा चौहान, जॉन परमार, हेमलता जैन, सुमन, अभिलाषा, भावना एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

सोनिका महिला प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर। श्री एकलिंगनाथ राष्ट्रीय सेवा संगठन में महिला प्रदेश अध्यक्ष पद पर सोनिका जैन को मनोनीत किया गया। संगठन के संस्थापक अध्यक्ष आकाश बागड़ी ने बताया कि सोनिका जैन को प्रदेश में संगठन की महिला विंग का विस्तार करने और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है।

उदयपुर की अनायशा को अवॉर्ड

उदयपुर। अनायशा विजयवर्गीय (9) को डॉ. एजीपे अब्दुल कलाम के पौत्र ने मुम्बई में प्रतिष्ठित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम भारत पुरस्कार से सम्मानित किया। समारोह में सम्मानित होने वालों में फिल्म निर्देशक रमेश सिप्पी, प्रसिद्ध गायक उदित नारायण भी शामिल थे। अनायशा ने सोलो, डांस, स्टोरी टेलिंग और स्पीच में कौशल के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया है। वह उदयपुर निवासी सुरेश विजयवर्गीय और डॉ. कुसुम विजयवर्गीय की पौत्री है। अनायशा को इंटरनेशनल बुक ऑफ रेकॉर्ड्स की ओर से भी सुपर टैलेंटेड किड के रूप में चुना जा चुका है।

शिविर में दी बचत योजनाओं की जानकारी

उदयपुर। भारतीय डाक विभाग, उदयपुर मंडल की ओर से नागरिकों की सुविधार्थ विशेष शिविर लगाया गया। इसमें डाकघर के ग्राहकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में आधार नामांकन एवं सुधार, डाकघर बचत योजनाएं और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सेवाएं प्रमुख रूप से उपलब्ध कराई गई। महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के जिला संयोजक पंकज कुमार शर्मा ने शिविर में उपस्थित जनसमूह से कहा कि शिविर आमजन को वित्तीय सशक्तीकरण और डिजिटल सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रवर अधीक्षक अक्षय भानुदास गाडेकर, उप प्रवर अधीक्षक हनुमान लाल बैरवा ने योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी सनद गिरिवाल, राकेश अग्रवाल, राजेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

माहेश्वरी महिला सोसायटी की उमा अध्यक्ष

उदयपुर। महेश माहेश्वरी महिला सोसायटी की नई कार्यकारिणी (2025-28) के सभी प्रमुख पदों पर निर्विरोध चुनाव हुआ। अध्यक्ष उमा काबरा, सचिव शालिनी जागेटिया और कोषाध्यक्ष निर्मला परतानी को नियुक्त किया गया।

इंट्राम्यूरल कुश्ती प्रतियोगिता व सम्मान

उदयपुर। श्री चतुर्भुज हनुमान राष्ट्रीय व्यायाम शाला में विश्व कुश्ती दिवस पर इंट्राम्यूरल कुश्ती प्रतियोगिता हुई जिसमें छात्रों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। विजेता पहलवानों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि चौकसी ग्रुप के सी एस आर हेड डॉ. प्रवीण यादव, राजस्थान विद्यापीठ के खेल निदेशक डॉ. दिलीप सिंह चौहान, पूर्व पार्षद सिद्धार्थ शर्मा, जिला कबड्डी संघ सचिव मुकेश जैन, चतुर्भुज हनुमान राष्ट्रीय व्यायामशाला संचालक कृष सेन थे। उस्ताद श्री लक्ष्मण सिंह अर्जुन उस्ताद अखाड़े में भी जिला कुश्ती संघ के तत्वावधान में विश्व कुश्ती दिवस मनाया गया भारतीय खेल प्राधिकरण के कुश्ती प्रशिक्षक डॉ. हरीश राजोरा ने पहलवानों को कुश्ती के बारे में जानकारी दी। रंगारंग समापन समारोह में कलक्टर नमित मेहता, पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल, नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश, एसके खेतान, समाजसेवी प्रमोद सामर, चैंबर सलाहकार गणेश डागलिया, परम संरक्षक अंबालाल बोहरा, दिनेश चावत, सुखलाल साहू, यशवंत आंचलिया, राजमल जैन, भंवरलाल सुहालका, सुरेंद्र बाबेल, अजय पोरवाल, आलोक पगारिया, इंदर सिंह मेहता आदि उपस्थित रहे।

मनोज अध्यक्ष, रतन सचिव

उदयपुर। उदयपुर सीमेंट डीलर एसोसिएशन की नवगठित कार्यकारिणी वर्ष 2025-27 का शपथ ग्रहण समारोह होटल प्राइड में हुआ। जिसमें अध्यक्ष-मनोज लोढ़ा, सचिव-रतन जैन, उपाध्यक्ष-नरेंद्र राठौड़ एवं कुणाल गांधी, कोषाध्यक्ष-अनीश बापना, सह सचिव-अनिल शर्मा, सांस्कृतिक सचिव-सुरेश बाबेल के साथ कार्यकारिणी को आरके अग्रवाल एवं तेज सिंह मोदी ने शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में 15 नए सदस्यों का पूर्व अध्यक्ष राहुल लोढ़ा एवं मनीष बापना ने अभिनंदन किया। कार्यक्रम में मेमोरी किंग नवीन अग्रवाल ने प्रस्तुति दी। एसोसिएशन ने आगामी वर्ष में सेवा कार्य हाथ में लेने का संकल्प लिया। पूर्व अध्यक्ष लोकेश जैन एवं मनीष मलारा ने वर्ष 2024-25 का प्रतिवेदन पेश किया।

फन फेयर 2025 संपन्न

उदयपुर। बोहरा यूथ की महिला इकाई बोहरा यूथ गर्ल्स विंग की ओर से बिजनेस कम फन फेयर 2025 का आयोजन बोहरवाड़ी स्थित जमाअत खाना में हुआ। विंग की अध्यक्ष सकीना दाऊद ने बताया कि बिजनेस कम फन फेयर का उद्घाटन डीएसपी चेतना भाटी, दी उदयपुर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीना बानू मेहमूदा ने किया। विशिष्ट अतिथि महिला सशक्तीकरण अधिकारी गिर्वा पूजा एवं प्रो. डॉ. गायत्री तिवारी थी। संयोजक नसीम रस्सावाला और जाहिदा ओड़ावाला ने बताया कि मेले में खाद्य व्यंजनों के स्टॉल के साथ-साथ बुटीक, ज्वैलरी, पर्स, बैग्स, हाउसहोल्ड आइटम्स, परफ्यूम्स आदि की स्टॉल लगाई गई।

रॉयल हीरो शोरूम पर न्यू प्रीमियम बाइक एक्सपल्स 210 लॉन्च

उदयपुर। हीरो मोटो कॉर्प की न्यू प्रीमियम बाइक एक्सपल्स 210 को रॉयल हीरो प्रीमिया द्वारा लांच किया गया। इस मौके पर कंपनी के निदेशक हुसैन मुस्तफा ने उदयपुर की पहली गाड़ी की चाबी ग्राहक को सौंपी। कंपनी के जनरल मैनेजर (सेल्स) जसपाल नागदा ने बताया कि एक्सपल्स 210 हीरो की एडवांस फीचर्स बाइक है जो खास प्रीमियम सेगमेंट के कस्टमर के लिए बनी है। यह ऑफ रोड के लिए कस्टमर को काफी पसंद आ रही है। इसमें टीएफ्टी स्पीडो मीटर, क्लास डीएलईडी प्रोजेक्टर हेड लैंप, क्लास लीडिंग सस्पेंशन ट्रैवल आदि फीचर्स हैं।

सनाढ्य समाज पत्रिका का विमोचन

उदयपुर। बाईजीराज कुंड आश्रम में सनाढ्य समाज की सामाजिक पत्रिका सनाढ्य सरिता महाकुंभ संस्करण का विमोचन मुख्य अतिथि आश्रम के महंत मनीष बृजराजन मोहन ने किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक पत्रिका समाज में नियमित संवाद के साथ समाज को अद्यतन रखने में सहायक होती है। विशिष्ट अतिथि समग्र सनाढ्य सेवा समिति के अध्यक्ष इंजीनियर रमेश चंद्र शर्मा, ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन के उदयपुर संभाग अध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा थे। अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष अम्बालाल सनाढ्य ने की।

गिरिजा शंकर को अहिल्या सम्मान

उदयपुर। सर्व संप्रदाय संत संस्थान उदयपुर की ओर से अहिल्या बाई होल्कर की जयंती मनाई गई। महंत इन्द्रदेव दास ने बताया कि दीप प्रज्वलित करके श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही बाल कल्याण समिति एवं संस्थान के संरक्षक गिरिजा शंकर शर्मा को संस्थान की ओर से अहिल्या बाई होल्कर सम्मान दिया गया। इस मौके पर महंत राधिका शरण शास्त्री, महंत नारायण दास वैष्णव, महंत दयाराम रामसनेही, संत चेतन राम आदि उपस्थित थे।

संतुलित जीवन शैली जरूरी- डॉ. गुप्ता

उदयपुर। ऑफिसर्स ट्रेनिंग सेंटर (ओटीसी) में पर्सनेलिटी डेवलपमेंट और लाइफ स्टाइल मैनजमेंट पर आयोजित सेशन के मुख्य अतिथि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता ने कहा कि सफल जीवन के लिए जीवन शैली संतुलित होनी चाहिए। अपने भोजन की प्रक्रिया को निर्धारित करें। उन्होंने रात्रि वॉक को लाभदायक बताया। उन्होंने जीवन में तनाव कम करने के टिप्स भी दिए।

टॉपर्स सम्मानित

उदयपुर. रॉयल इंस्टीट्यूट उदयपुर में वार्षिक उत्सव 'आगाज़ 2025' का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलराज सिंह व विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद् झाबर सिंह चाहर व ज्ञानाराम रणवा थे। संस्थान निदेशक जी.एल. कुमावत ने स्वागत भाषण दिया। संस्थान की ओर से चयनित टॉपर्स को उनकी उपलब्धियों के आधार पर बाइक्स, टैबलेट्स, स्मार्टवॉच, स्मार्टफोन और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

इन्फ्लुएंसर्स-इवेंट आयोजकों का सम्मान

उदयपुर। बिजनेस सर्कल इंडिया (बीसीआई) का उदयपुर आइकोनिक अवॉर्ड 2025 शहर के एक निजी होटल में आयोजित हुआ। संस्थापक मुकेश माधवानी ने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख इन्फ्लुएंसर्स और इवेंट आयोजकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अभिषेक सोनी, मेहुल चौबीसा, वर्षा राव, रामा राव, अजयसिंह पंवार, प्रतीक्षा दवे, निशु सेन, वीर पाहुजा, हन्नाए भट्ट, उत्पल दशोरा और स्नेहा चड्ढा सहित 35 अन्य इन्फ्लुएंसर्स व सिद्धार्थ चावत, चेतन परिहार, दिग्विजय सिंह, गजल जैन, गौरव शर्मा सहित 23 इवेंट कंपनियों के सीईओ को बेहतरीन इवेंट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

भटनागर अध्यक्ष, पुरोहित सचिव

उदयपुर। रोटरी क्लब उदय की राघव भटनागर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें सचिव ललिता पुरोहित, कोषाध्यक्ष

पुनीत गखरेजा, अध्यक्ष निर्वाचित साक्षी डोडेजा, निवर्तमान अध्यक्ष अशोक लिंजारा, उपाध्यक्ष मोहित रामेजा, क्लब ट्रेनर सरिता सुनेरिया, संयुक्त सचिव डॉ. अनिता मोर्य, सार्जेन्ट एट आर्म्स दिनेश शर्मा, क्लब एडमिनिस्ट्रेशन डायरेक्टर अशोक वीरवाल, मेम्बरशिप डायरेक्टर नीरज गुनेचा, रोटरी फाउण्डेशन डायरेक्टर जगदीश पालीवाल आदि मनोनीत हुए। संचालन शालिनी भटनागर ने किया।

मनीष गलुण्डिया यूसीसीआई अध्यक्ष

उदयपुर। उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की वार्षिक बैठक में मनीष गलुण्डिया सत्र 2025-26 के लिए अध्यक्ष चुने गए। निवर्तमान अध्यक्ष एमएल लूणावत ने वर्ष 2024-2025 में यूसीसीआई की उपलब्धियों व गतिविधियों का उल्लेख किया। मानद महासचिव डॉ. पवन तलेसरा ने बताया कि चुनाव ऑनलाईन हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सन्दीप बापना एवं उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह खमेसरा का निर्वाचन हुआ।

जुड़वां बहिनों ने किया केशदान

उदयपुर। लेकसिटी की 10 वर्षीय जुड़वा बहिनों हंसवी और हंसिका जैन ने कैंसर पीड़ित महिलाओं के लिए अपने बाल दान कर मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की। यह पुनीत कार्य उन्होंने पंचवटी स्थित प्रभात स्पा एंड सैलून में अशोक पालीवाल के मार्गदर्शन में अपनी नानी मंजू जैन से मिली प्रेरणा के आधार पर किया, जिन्होंने स्वयं पूर्व में केशदान किया था। इस अवसर पर उनके माता-पिता श्रेष्ठा जैन और एवंती जैन भी उपस्थित रहे।

प्रो. गौरव वल्लभ पीएम आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य

उदयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय नेता प्रो. गौरव वल्लभ को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य मनोनीत किया गया है। प्रो. गौरव वल्लभ की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य के पद पर नियुक्ति बतौर अर्थशास्त्री की गई है। अब प्रो. गौरव वल्लभ भारत सरकार (विशेष रूप से प्रधानमंत्री) को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के आर्थिक एवं संबंधित मुद्दों पर सलाह प्रदान करने का कार्य आर्थिक सलाहकार परिषद के माध्यम से करेंगे।

आरसीए की खरीद समिति में सुशील अध्यक्ष

झल्लारा। राजस्थान क्रिकेट संघ ने 31 मई 2025 को नई खरीद समिति का गठन किया। यह फैसला 17 मई को हुई विशेष सामान्य बैठक में पारित प्रस्ताव के आधार पर लिया गया। समिति में चार सदस्य शामिल किए गए हैं। सुशील जैन को अध्यक्ष बनाया गया है। अन्य सदस्य में विनोद सहारण, देवराम चौधरी और शत्रुघ्न तिवारी हैं। इस आदेश पर तदर्थ कार्यकारी समिति के संयोजक जयदीप बिहानी ने हस्ताक्षर किए हैं।

डॉ. कुमावत को संत उपाधि

उदयपुर। अखिल भारतीय नव वर्ष समारोह समिति के राष्ट्रीय सचिव डॉ. प्रदीप कुमावत को महामंडलेश्वर सोमेश्वर गिरि महाराज ने संत उपाधि से सम्मानित किया। जोधपुर स्थित बिजलोई आश्रम में महाराज ने पारंपरिक संत उत्तरीय पहनाकर डॉ. कुमावत का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि कुमावत कर्मयोग व समाजसेवा के माध्यम से संत परंपरा का यथार्थ निर्वाह कर रहे हैं।

निर्मल पोखरना राष्ट्रीय संयोजक

उदयपुर। देवगढ़ मालियावास में ऑल इंडिया पोखरना सहलोत संस्थान का द्विवार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन के साथ ही कुलदेवी सती माता का रात्रि जागरण एवं ध्वज वंदन कार्यक्रम हुआ। इसमें देशभर से पोखरना सहलोत परिवारों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से उदयपुर के निर्मल पोखरना को राष्ट्रीय संयोजक मनोनीत किया गया।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्री किशनलाल जी जैन देबारी वाले का 23 मई को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला देवी, पुत्र राजेन्द्र जैन, पुत्रियां श्रीमती अनीता बाफना, प्रियंका सेठिया, पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। समाजसेवी सरदार कुलवंत सिंह जी का आकस्मिक स्वर्गवास 19 मई को हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र तेजेन्द्रसिंह रोबिन (पूर्व पार्षद एवं अध्यक्ष मार्बल एसोसिएशन), पुत्री श्रीमती प्रभजीत कौर छाबड़ा, कंवल कौर एवं पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री समेत भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती शकुंतला देवी जी आमेटा (धर्मपत्नी स्व. श्री कृष्णदत्त जी) का 19 मई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र कपिल व दिलीप आमेटा, पुत्री डॉ. निधि, पौत्र, दोहित्र-दोहित्री सहित संपन्न भट्ट-आमेटा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री ओमप्रकाश जी शर्मा (भीलवाड़ा) का 30 मई को एक रेल दुर्घटना में आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती रेखा शर्मा, भाई-भाभी, बहन-बहनोई एवं भतीजों-भानजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए है।

उदयपुर। सीए श्री भोपालसिंह जी वर्डिया (94) का 28 मार्च को मुंबई में देहांत हो गया। देवेन्द्र धाम, उदयपुर में 1 जून को श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र राजीव वर्डिया, पुत्रियां डॉ. कल्पना पारख, डॉ. अर्पणा सरूपरिया, सीए सपना व वंदना देवी, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री एवं भाई-भतीजों का वृहद व समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इडंस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश जी चौधरी (77) का 22 मई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पादेवी, पुत्र दिन्मय व चयन, पौत्र-पौत्रियां व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं। वे विभिन्न सामाजिक सेवा संगठनों से जुड़े थे। उनके निधन पर विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों, उद्यमियों और संस्थाओं ने गहरा शोक प्रकट किया है।

उदयपुर। उद्योगपति श्री शोभागमल जी सेठिया का 20 मई को देहावसान हो गया। वे 81 वर्ष के थे। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती विद्यादेवी, पुत्र अमित कुमार, पुत्रियां डॉ. अंजू जैन, डॉ. रजनी जैन, मीनाक्षी बापना, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

पोकरण। नारायण सेवा संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी श्री भगवान प्रसाद जी गौड़ के पिता श्री मूलाराम जी गौड़ का 3 जून को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्म पत्नी श्रीमती जेठीदेवी, पुत्र जुगल किशोर, कुमेर प्रसाद, भगवान प्रसाद सहित पौत्र-पड़पौत्र का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। धर्मपरायण एवं समाजसेवी श्री सुभाष चन्द्र जी नलवाया का 21 मई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती रुक्मणी देवी, पुत्र मनोज व महेन्द्र नलवाया, पुत्रियां श्रीमती रेखा वया, रंजना भानावत, लक्ष्मी जारोली, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई भतीजों, बहिनों, भानजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। युवा उद्यमी श्री ओमप्रकाश जी नागदा की धर्मपत्नी श्रीमती हीरादेवी जी नागदा का 18 मई को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त पति, पुत्र गौरव, पुत्रियां श्रीमती मीनाक्षी, नयना, तनु, दोहित्र-दोहित्रियों एवं भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। डॉ. अर्जुन जी बाबेल की धर्मपत्नी डॉ. विमला जी बाबेल का 16 मई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र डॉ. अमित डॉ. अंशित, पौत्र-पौत्री सहित भाई-भतीजों एवं बहिनों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री भास्कर जी जैन (मनीष) का 18 मई को देह परिवर्तन हो गया। वे अपने पीछे शोक सन्तप्त धर्मपत्नी श्रीमती बिन्दू जैन, माता-पिता श्रीमती प्रेमलता डॉ. आई.एल जैन, पुत्री तन्वी जैन सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री विनय कुमार जी त्यागी की धर्मपत्नी श्रीमती मंजु देवी जी का स्वर्गवास 4 जून को हो गया। वे अपने पीछे शोकसन्तप्त पति, पुत्र साहित, पुत्री शिवानी, पौत्र, दोहित्र-दोहित्री एवं भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

प्रत्यूष परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि

With Best Compliments

Jai Shanker Rai
Director

Ganpati
Infravision Pvt. Ltd.

प्रधान मंत्री
आवास योजना-शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojna-Urban

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना-2015

RERA APPROVED
REG. NO.: RAJ/P/2018/850

GANPATI GREENS

SHREE GANPATI AFFORDABLE HOMES LLP

AFFORDABLE HOUSING AT UDAIPUR

www.ganpatihousing.com

203, 2nd Floor, Doctor's House Complex,
Post & Telegraph street, Madhuban, Udaipur (Rajasthan)
Tel/Fax: 0294-2429118, E-mail: gipl.udaipur@rediffmail.com

vedanta
transforming for good

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

ज़िंक और सिल्वर से,
कल के हरित भविष्य को मजबूत बनाएं

- 2 वर्षों से विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल्स और माइनिंग कंपनी का दर्जा प्राप्त*
- 2.41 गुना वाटर पॉजिटिव
- वित्त वर्ष 25 में 6.7 लाख tCO2e जीएचजी उत्सर्जन की बचत
- पर्यावरण और सुरक्षा पहलों के माध्यम से 5 लाख से अधिक लोगों को हुआ लाभ

WORLD ENVIRONMENT DAY

*as per S&P Global CSA 2024

Yashad Bhawan, Udaipur - 313 004, Rajasthan, INDIA. www.hzlindia.com CIN L27204RJ1966PLC001208

https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ https://www.facebook.com/HindustanZinc/ https://twitter.com/Hindustan_Zinc https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

Rajasthan State Mines and Minerals Limited, Udaipur, India

(A Premier PSU of Government of Rajasthan)

Powering Progress with Minerals & Green Energy

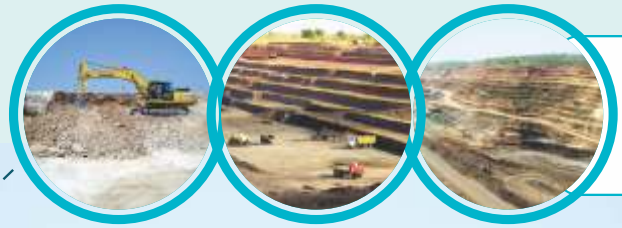

Premier Mineral Producer

Only Producer of SMS-Grade Limestone

Lignite Producer

Largest Producer of Rock Phosphate

Pioneering Sustainable Mining

Green Energy

Massive Green Cover

106.3 MW

5 MW

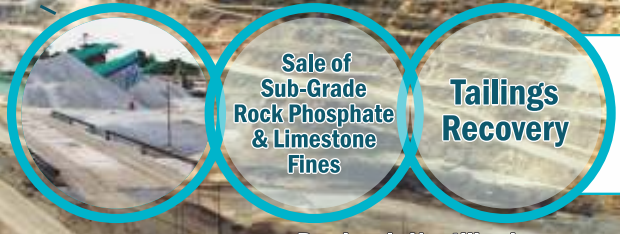

Sale of Sub-Grade Rock Phosphate & Limestone Fines

Tailings Recovery

Wealth from Waste

M-Sand/Grit from Overburden

Previously Unutilized

Energy Expansion

RSPCL (Oil & Petroleum) & RSGL (JV with GAIL for Gas Distribution)

Expanding Horizon

River Sand Mining & Sandstone Mining

CORPORATE OFFICE

4, Meera Marg, Udaipur - 313 004, Tel. : +91-294-2428763-67, Fax : +91-294-2428770, 2428739, e-mail: info.rsmml@rajasthan.gov.in

REGISTERED OFFICE

C-89/90, Janpath, Lal Kothi Scheme, Jaipur - 302 015, Tel. : 0141-2743734, Fax : 0141-2743735 , Website : www.rsmm.com

FBSPL

FUSION GALAXY

FBSPL ACADEMY

At **FBSPL**
the future isn't built **for you**,
it's built **with you**.

This is your moment. Make it count.

Hiring Every Saturday

Fusion Business Solutions (P) Limited
F-37, IT Park, MIA Extension Udaipur, Rajasthan, India 313002

For job seekers hr@fbspl.com +91 9602254863

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 3, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001